दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 04
अंकः-53
मुरादाबाद
13 June 2024
(Thursday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम चंद्रबाबू नायडू के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे पीएम मोदी, पवन कल्याण से की मुलाकात

तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू ने आज बुधवार को आंध्र प्रदेश के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। नायडू के शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी भी पहुंचे। उनके अलावा कई फिल्मी सितारे भी समारोह में शामिल हुए। आंध्र विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन करने वाले जनसेना पार्टी के चीफ और साउथ एक्टर पवन कल्याण भी वहां पहुंचे। इस दौरान पीएम मोदी ने उनसे गर्मजोशी से मुलाकात की। आज बुधवार को विजयवाड़ा में सीएम नाडयू का शपथ ग्रहण

समारोह हुआ। इसमें पीएम मोदी सहित कई राजनीतिक हस्तियां शामिल हुईं। वहीं फिल्मी सितारे भी आए।

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत भी शामिल हुए। उनके अलावा अभिनेता व पवन कल्याण के भाई चिरंजीवी भी नजर आए। समारोह के दौरान सीएम नायडू और पवन कल्याण ने पीएम मोदी को भगवान की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया।आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों में पवन कल्याण की पार्टी ने शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने पीथापुरम सीट से चुनाव जीता है।

उनकी इस ऐतिहासिक जीत की पीएम मोदी तारीफ कर चुके हैं। बीते दिनों एनडीए की बैठक में पीएम मोदी ने पवन कल्याण की तारीफ करते हुए कहा था, %ये पवन, पवन नहीं आंधी हैं%। आज शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी ने पवन कल्याण से मुलाकात के दौरान उनकी पीठ थपथपाई।शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी ने सीएम नायडू और पवन कल्याण को राज्य में उनकी नई भूमिकाओं के लिए बधाई दी। बता दें कि हाल के विधानसभा चुनाव में नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने बहुमत हासिल किया है। यह चुनाव उन्होंने एनडीए के साथ मिलकर लड़ा था जिसमें उन्हें जबरदस्त सफलता मिली है। पांच साल बाद राज्य की सत्ता में वापसी करते हुए चंद्रबाबू नायडू एक बार फिर मुख्यमंत्री बन गए हैं। समारोह में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा भी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सुपरस्टार रजनीकांत और चिरंजीवी से मुलाकात की। इस दौरान केरल में पहली बार कमल खिलाने वाले अभिनेता सुरेश गोपी भी नजर आए। सुरेश गोपी ने केरल से भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव जीता है।

अखिलेश यादव ने करहल विधानसभा सीट से दिया इस्तीफा, अयोध्या के सांसद ने भी विधानसभा सीट छोड़ी

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने करहल विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया है। वह अब केंद्र की राजनीति करेंगे। वह कन्नौज से सांसद चुने गए हैं। अभी तक वह करहल से विधायक और यूपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद पर थे।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव अब केंद्र की राजनीति करेंगे। उन्होंने करहल विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। वह कन्नौज लोकसभा सीट से सांसद चुने गए हैं। इसके बाद उन्हें एक सीट से इस्तीफा देना था तो उन्होंने करहल सीट छोड़ दी। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे के अनुसार यह इस्तीफा प्राप्त हो गया है। शीघ्र ही स्वीकार करने की प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी।इससे पहले सपा के विधायक लालजी वर्मा भी इस्तीफा दे चुके हैं। लालजी वर्मा भी लोकसभा सदस्य चुने गए हैं। इसके अलावा, फैजाबाद लोकसभा सीट से सांसद चुने गए अवधेश प्रसाद ने भी विधानसभा से इस्तीफा दे दिया है।अखिलेश यादव यूपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भी हैं। ऐसे में आने वाले समय में यह पद उनके चाचा विधायक शिवपाल सिंह यादव या फिर पीडीए के तीन विधायकों रामअचल राजभर, इंद्रजीत सरोज और कमाल अख्तर में से किसी एक को मिल सकता है। अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी में सपा ने अकेले दम पर 37 और इंडिया गठबंधन की सहयोगी दल कांग्रेस के साथ मिलकर कुल 43 सीटों पर जीत दर्ज की है।

संक्षिप्त समाचार

अभेद्य होगी अयोध्या की सुरक्षा... तैनात किए जाएंगे ब्लैक कैट कमांडो, एनएसजी यूनिट की होगी स्थापना

अयोध्या की सुरक्षा में एनएसजी कमांडो तैनात किए जाएंगे। इसके लिए यही पर यूनिट की स्थापना की जाएगी। भूमि खोजी जा रही है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के बाद जिले की सुरक्षा व्यवस्था को अब और चुस्त किया जा रहा है। केंद्र सरकार अब यहां एनएसजी कमांडो यूनिट बनाने की तैयारी में है जिसके लिए भूमि खोजी जा रही है। केंद्र सरकार की ओर से निर्णय पर मुहर लगने के बाद एनएसजी के ब्लैक कैट कमांडो यहां तैनात होंगे। जिले में अब तक केंद्रीय सुरक्षा की दो व राज्य सरकार की चार सुरक्षा एजेंसियां तैनात हैं। किसी भी वीवीआईपी दौरे पर एनएसजी कमांडो दिल्ली से बुलाए जाते हैं। राम मंदिर निर्माण के बाद जिले में अक्सर वीवीआईपी दौरा होता रहता है साथ ही हर समय श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहती है। समय-समय पर अयोध्या आतंकियों के निशाने पर भी रही है, जिसे देखते हुए अब यहां की सुरक्षा को और चुस्त किया जा रहा है। इसके लिए भविष्य में एनएसजी कमांडो की यूनिट यहां स्थापित करने की तैयारी है। सूत्रों के अनुसार एनएसजी की टीम ने जिला प्रशासन से संपर्क करके भूमि चिन्हित करके उपलब्ध कराने के लिए कहा है। जिस पर तेजी से काम हो रहा है। वहीं, पुलिस महानिरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि अयोध्या में एनएसजी यूनिट खुलने की सूचना तो है, लेकिन पूरी जानकारी उन्हें नहीं है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमला: मायावती बोलीं- सख्त कदम उठा रही सरकार, इसकी आड़ में राजनीति न करें

बसपा सुप्रीमो मायावती ने राजनीतिक दलों को नसीहत देते हुए कहा कि जम्मू में हुए आतंकी हमले की आड़ में राजनीति न करें। उन्होंने सख्त कार्रवाई करने के लिए सुरक्षाकर्मियों व सरकार की सराहना की है।बसपा सुप्रीमो मायावती ने जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमलों पर सरकार व सुरक्षा बलों द्वारा की जा रही कार्रवाई की सहराहना की है साथ ही विपक्ष को नसीहत दी है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमलों पर सरकार व सुरक्षा बलों द्वारा की जा रही कार्रवाई की सहराहना की है साथ ही विपक्ष को नसीहत दी है।उन्होंने कहा कि ऐसे आतंकी तत्वों को ढेर करने के लिए, सरकार व सुरक्षा बलों द्वारा जो भी सख्त कदम उठाये जा रहे हैं यह सराहनीय है। बसपा इसका समर्थन करती है लेकिन इसकी आड़ में कोई भी राजनीति करना उचित नहीं है।बता दें कि रविवार रात को जम्मू-कश्मीर के रियासी में आतंकियों ने एक बस पर हमला कर दिया था। जिससे बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई जिससे करीब 10 लोगों की मौत हो गई जबकि 33 लोग घायल हो गए थे। वहीं, जिला कठुआ की तहसील हीरानगर के गांव सैडा सोहल में बुधवार दूसरे दिन फिर आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई। सुरक्षाबलों ने दूसरे आतंकी को भी ढेर कर दिया है। पुलिस, एसओजी, सीआरपीएफ, सेना के जवानों ने इलाके की घेराबंदी की हुई है। तलाशी अभियान चल रहा है। एडीजीपी जम्मू आनंद जैन ने यह जानकारी दी है। एडजीपी ने कहा कि हीरानगर में हुई मुठभेड़ में बहादुर जवानों ने दोनों आतंकी मार गिराए हैं। हालांकि ऑपरेशन अभी चल रहा है। इलाके में किसी अन्य आतंकी के छिपे होने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। ऐसे में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। आसपास के इलाके में भी तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

उद्धव ठाकरे ने पूछा- आतंकी हमलों को रोकने की जिम्मेदारी किसकी? कहा- क्या PM जम्मू-कश्मीर जाएंगे

संघ प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि क्या प्रधानमंत्री मोदी अब मणिपुर का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं देश के भविष्य को लेकर चिंतित हूं, एनडीए सरकार के भविष्य को लेकर नहीं।महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हमले की जिम्मेदारी किसकी है। क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या फिर गृहमंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर का दौरा करेंगे। हमलों को रोकना पीएम की जिम्मेदारी होती है। अगर नरेंद्र मोदी हमलों को रोक नहीं सकते तो उन्हें प्रधानमंत्री बनने का कोई अधिकार नहीं है। इसके अलावा, उन्होंने जानना चाहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जमीनी स्तर पर क्या बदलाव आया है। मणिपुर के हालातों पर पीएम से पूछा सवाल- ठाकरे बुधवार को एक साक्षात्कार कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि क्या प्रधानमंत्री मोदी अब मणिपुर का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं देश के भविष्य को लेकर चिंतित हूं, एनडीए सरकार के भविष्य को लेकर नहीं। बता दें, आरएसएस प्रमुख भागवत ने सोमवार को मणिपुर के हालातों पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने कहा था कि संघर्षग्रस्त पूर्वोत्तर राज्य की स्थिति पर प्राथमिकता के साथ विचार किया जाना चाहिए।

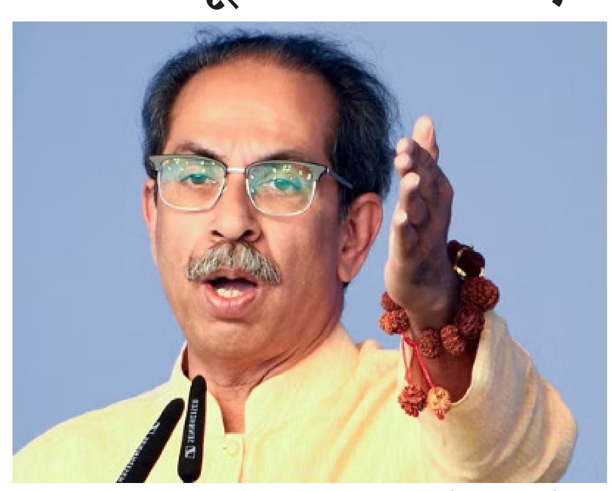

जम्मू-कश्मीर में तीन दिन में तीन आतंकी हमला- जम्मू संभाग में आतंकी वारदातों में इजाफा हुआ है। तीन दिनों में तीन आतंकवादी घटना हुई है। रविवार को रियासी जिले में आतंकियों ने बस पर हमला कर दिया था, जिसमें नौ लोगों की मौत हुई थी और 41 लोग घायल हुए थे। इसके बाद कठुआ जिले की तहसील हीरानगर की गांव सोहले सैडा में आतंकवादियों ने गोलीबारी की, जिसमें एक नागरिक घायल हो गया। हालांकि इस हमले में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया। अन्य आतंकियों की तलाश में ऑपरेशन चल रहा है। तीसरा आतंकी हमला डोडा में हुआ। देर रात डोडा के छत्रगलां में भी आतंकियों ने नाका पार्टी पर हमला किया। आतंकियों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई से मुठभेड़ शुरू हो गई। हमले में सेना के पांच जवान और एक एसपीओ (स्पेशल पुलिस ऑफिसर) घायल हो गया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। छत्रगलां टॉप का यह इलाका जिला कठुआ और जिला डोडा की तहसील भद्रवाह की सीमा पर स्थित है।

बाल विवाह पर रोक लगाने के लिए असम की हिमंत सरकार की नई पहल, छात्राओं को पढ़ाई के लिए मिलेगा मासिक भत्ता

हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि असम सरकार ने बाल विवाह रोकने के लिए एक अनूठी योजना की घोषणा की है। बच्चियों की पढ़ाई न रोकी जाए और स्नातकोत्तर तक शिक्षा पूरी कर सकें इसके लिए प्रेरित किया जाएगा। असम में बाल विवाह के खिलाफ राज्य सरकार लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। यहां के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा बाल विवाह को लेकर कड़ा रुख अपना रहे हैं। इसी क्रम में, उन्होंने अब एक नई पहल की है। इसके तहत कक्षा 11 से पीजी तक की छात्राओं को 2,500 रुपये तक का मासिक भत्ता देने का एलान किया है। बच्चियों की पढ़ाई न रोकी जाए- हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, %असम सरकार ने बाल विवाह रोकने के लिए एक अनूठी योजना की घोषणा की है। बच्चियों की पढ़ाई न रोकी जाए और स्नातकोत्तर तक शिक्षा पूरी कर सकें इसके लिए प्रेरित किया जाएगा। इस योजना के तहत अगर छात्राएं कक्षा 11वीं और 12वीं में दाखिला लेती हैं तो उन्हें सरकार एक हजार रुपये का मासिक भत्ता देगी।%हम असम में बाल विवाह को रोकना चाहते- सीएम उन्होंने आगे कहा, जो छात्राएं डिग्री कोर्स, ग्रेजुएशन कोर्सेज में दाखिला लेंगी, उन्हें सरकार की ओर से 1,250 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे। पोस्ट ग्रेजुएशन करने वालों को राज्य सरकार से प्रति माह 2,500 रुपये मिलेंगे। इस योजना के माध्यम से, हम असम में बाल विवाह को रोकना चाहते हैं और सरकार के कंधों पर लड़कियों की शिक्षा की जिम्मेदारी लेना चाहते हैं। यह राशि छात्राओं को हर महीने की 11 तारीख को मिलेगी और माता-पिता पर बोझ काफी हद तक कम हो जाएगा और वे अपनी बेटियों को कॉलेज और विश्वविद्यालय भेज सकेंगे। इन छात्राओं को नहीं मिलेगा लाभ- उन्होंने कहा, मंत्रियों, विधायकों और सांसदों की बेटियों और निजी कॉलेजों में पढ़ने वाली छात्राओं को छोड़कर सभी लड़कियों को उनकी वित्तीय पृष्ठभूमि के बावजूद योजना में शामिल किया जाएगा। जून और जुलाई में गर्मी की छुट्टियों के दौरान कोई पैसा नहीं दिया जाएगा। यह भत्ता छात्राओं के बैंक खातों में साल में 10 महीने के लिए जमा किया जाएगा।

संपादकीय Editorial

Rajdharma of the coalition

72 ministers including Prime Minister Modi took the oath of office and secrecy. With that, the Rajdharma of the new central government began. This is a moment to celebrate the diversity and strength of the world's largest democracy. It is also a moment to express gratitude to the Election Commission, other institutions, employees and the process. The voters of the country have given the mandate. This coalition government is also a symbol of the people's will, because majority and Rajdharma are inherent in the coalition itself. Since this is a coalition government, there is no mandate of majority in favor of any one party, it does not mean that we should cry about the continuity and stability of the coalition or hide behind the guise of coalition to make excuses. This is the NDA-3 government under the leadership of Prime Minister Modi and is a continuation of 2014. The only difference is that the BJP has not got the majority and the stability of the government is only with the support of the coalition's constituent parties. This is not exactly the case, because when the Narasimha Rao government was formed in 1991, the Congress had only 232 MPs. The government lasted for five years, but it is a different matter that some taints and stains were attached to it, which defame democracy. To prove majority in the House, MPs were bought, some were lured with ministerial posts. More or less, now BJP has 240 MPs and some definite supporters. Perhaps, there will not be a need for buying and selling for majority. However, in the current context, we should not worry only about Telugu Desam Party (TDP) and JD-U. They also need a like-minded Government of India, which can fulfill their basic needs. The states of both the parties are poor and destitute. Both the states are debtors. No other government can address their needs. The Rajdharma of Prime Minister Modi's government is that whenever a big and serious decision has to be taken, the leaders of all the allied parties should be present at the discussion table and the decision should be taken unanimously. The Prime Minister himself has expressed such sentiments. Atal Bihari Vajpayee and Dr. Manmohan Singh were also Prime Ministers of coalition governments, who served their tenures very well. Dr. Manmohan Singh was the Prime Minister of a coalition government for 10 years. Many major reform decisions in the telecom, pension, system of controlling government deficit, electricity and insurance sector were taken during the Vajpayee government. During the Manmohan government, apart from sensitive decisions like the civil nuclear agreement with America, MNREGA, food security, compulsory-free primary education, right to information, land acquisition law etc. were passed. Apart from these, major decisions like handing over petroleum products to the market were also taken. Since BJP is now in minority, this is the period of litmus test of the NDA coalition government, coalition dharma and the Rajdharma of the Modi government. However, we do not see any major crisis or political rift, because Chandrababu Naidu and Nitish Kumar are also in favor of economic development and economic reforms. Still, the real challenge will come when the Prime Minister will call both TDP and JD-U to the decision table and consensus will not be reached. Anyway, Prime Minister Modi has termed the NDA as 'organic' and 'most successful' coalition. He understands the essence of the mandate and understands the differences between different states and parties, so some compromise is also expected. Prime Minister Modi is envisioning such a center that moves forward taking the states along with it and listens to them carefully. He has also talked about the model of competitive and cooperative federalism.

Shivraj Singh Chauhan: The challenge of making farming a business of economic and political benefits

PM Modi entrusted Shivraj Singh Chauhan with the responsibility of the Agriculture Ministry with a budget of more than Rs. 3 lakh crores. He also gave the Rural Development Department. But for Shivraj, the issue of agriculture is not only big in terms of budget but it is the most challenging department today, in which along with solving the problems of the farmers, the political interests of the party are also involved. Regarding the Modi 3.0 cabinet, the eyes of the whole country and especially Madhya Pradesh were on whether the former Chief Minister of the state Shivraj Singh Chauhan is taken into the Union Cabinet or not and if he is taken, then what will be his status in the cabinet, which department will he get. Most observers felt that Shivraj should get the Agriculture Ministry, of which Shivraj is largely considered an expert and farmer. That is what happened, PM Modi entrusted Shivraj Singh Chauhan with the responsibility of the Agriculture Ministry with a budget of more than Rs. 3 lakh crores. He also gave the Rural Development Department. But for Shivraj, the issue of agriculture is not only big in terms of budget, but it is the most challenging department today, in which along with solving the problems of the farmers, the political interests of the party are also involved. That is, how can farming become a business of political benefit for the BJP, rather than just economic profit? Especially in three states of the country, Punjab, Haryana and Western Uttar Pradesh and partially Rajasthan, there has been deep dissatisfaction over the three agricultural laws withdrawn earlier and the policies of the Modi government so far in relation to farmers. The result of this was that in the Lok Sabha elections, the farmers in these states gave a big blow to the BJP. Because the government's policy of 'Ekala Chalo' has failed in the case of farmers. Understanding the demands and problems of the farmers and finding an acceptable solution accordingly and that too without getting the credit written in his account is a big challenge before Shivraj ji. His predecessor Agriculture Minister Narendra Singh Tomar did not get the expected success in dealing with the farmers' movement. Lack of expected dialogue between the government and the farmers was also a reason for this. Before introducing the three agricultural laws, which Modiji had to withdraw, it was not considered necessary to hold a wide debate on them and know the public opinion. Whether there will be any change in this attitude now or not, it remains to be seen. This question is also because Shivraj has the art of public connect. If he wants and is given the freedom to do so, he can find a widely accepted solution to the farmers' displeasure. A fundamental difference between Shivraj and his predecessor Union Agriculture Minister Narendra Singh Tomar is that Tomar basically comes from an urban background, while Shivraj comes completely from a farming and rural background. Therefore, he understands the problems and expectations of the farmers better.

After becoming the Chief Minister of Madhya Pradesh, he had announced that his first priority is to make farming a profitable business. He did a lot of work in this direction in his first three tenures. The agricultural GDP of the state grew by an average of 7% per annum from 2005-06 to 2022-23, which was more than the national average of 3.8% for the decade. During Shivraj's tenure as Chief Minister, MP received Krishi Karman Award seven times for better performance in the field of agricultural production and scheme operation. Not only this, the irrigation capacity of MP also increased 6 times to 43 lakh hectares. A bonus scheme was started on the purchase of farmers' crops at the support price. More than 80% of the farmers of the state benefited from this scheme. Farmers got better compensation in times of disaster. Under his leadership, the state has received Krishi Karman Award seven times. Along with this, the state is also grappling with a new problem, that is, inadequate grain storage system in proportion to the huge increase in agricultural production and lack of proper food processing industries for local produce. Shivraj is well aware of these problems. It is hoped that he will also solve these problems of MP. This was the reason that the participation of farmers of MP in the long-running farmers' movement in Delhi was negligible. However, the death of four farmers due to police firing on farmers agitating over MSP in Mandsaur is definitely recorded as a black mark on Shivraj's tenure. The Modi government brought three agricultural laws in its second term in 2020. As soon as this bill was passed in the Parliament, the farmers of the northern states took to the streets. Some political parties and voluntary organizations also played a big role in fueling this discontent. Despite this, it was also true that the government was not able to give any concrete and satisfactory answer to the apprehensions of the farmers while bringing this bill. Of the three agricultural laws brought by the Modi government, the first was the Essential Commodities (Amendment) Act: In this law, there was a provision to remove grains, pulses, oilseeds, edible oil, onion, potatoes from the list of essential commodities so that competition in the market increases. Farmers should get better prices for their produce. The second was the Agricultural Produce Trade and Commerce (Promotion and Facilitation) Act: Under this, farmers could sell their produce even outside the agricultural market. For this, farmers and buyers did not have to pay any fee. The third was the Farmers (Empowerment and Protection) Price Assurance and Agreement on Agricultural Services Act: The main objective of this law was to get farmers a fixed price for their crop. Under this, a farmer could enter into an agreement with a trader even before growing the crop. Delivery of crop to the farmer Two-thirds of the amount was to be paid at the time of settlement and the rest was to be paid in 30 days. If one party broke the agreement, a fine would be imposed on it. But the farmers of the three states were not happy with the provisions of these laws. They wanted the government to buy all their produce at MSP (minimum support price). This MSP should also be according to the report of the Swaminathan Commission (whom the government awarded Bharat Ratna this year) and the government should not only announce the MSP but also give its legal guarantee. Currently, the Government of India gives MSP on a total of 23 crops. During the farmers' movement, it is said that the government had also agreed to guarantee MSP on selected crops, but the agitating farmers did not agree to this. The second fear was the weak system of protecting farmers' interests if corporate farming was approved. There was a fear that if the crop is damaged, the farmer may also lose his land to the corporates. Due to these reasons, the farmers' movement continued for almost a year on the border of Delhi, which ultimately weakened after the withdrawal of these laws by PM Modi. Some experts believe that the intention behind bringing the agricultural reform law was right, but the method was wrong. The BJP benefited from the move of withdrawing the agricultural law in the 2022 UP assembly elections. But there was no solution to the demands of the farmers. The government is not ready to give a legal guarantee of MSP on all crops. It believes that if this is done, then the government will have to bear an unbearable financial burden on purchasing all the crops. Secondly, when the raw material becomes expensive, all food items will also become expensive, due to which the government will have to face the displeasure of the common consumer, especially the middle and lower class. Not only the middle and lower class, the farmer himself can also face problems, because he may be the producer of some crops, but he is the consumer of other things. Now another new big challenge in the case of farming is the frequently changing weather. Due to the changing mood of the weather, a good crop gets ruined at the last moment and the farmer is left with nothing but to hold his head. Bad or tainted crops are not even sold properly. Now the big challenge before the new Agriculture Minister of the country, Shivraj Singh, will be to present a universally acceptable solution to the angry farmers. Punjab, Haryana and Western Uttar Pradesh are such areas where the maximum purchase of crops is done on MSP. It remains to be seen how the farmers there will be taken into confidence. How can farming become a profitable business even with small holdings, how can the purchased produce be properly stored and processed, how can farming not be left to God's mercy and how can it be modernized, the talk of reforms in the agriculture sector is being raised from every quarter, but there are differences on what form these reforms should take and how they should be done. Authentic seeds, adequate irrigation, proper marketing and storage facilities of the produced crop and how to protect the rights of farmers in corporate farming are also big issues. Suicides of farmers disappointed by losses in farming and drowned in debt, increasing the share of agriculture sector in GDP and finding the possibility of increasing employment in farming are also big issues. It remains to be seen how Shivraj will be able to coordinate all these. If he succeeds, a new era of his political achievements can begin. The end of farmer discontent will also be a sign of BJP's political strength. Otherwise, right now the angry farmers are voting for those parties which are promising legal guarantee of MSP. Not only the middle and lower class, the farmer himself can also face problems, because he may be the producer of some crops, but he is the consumer of other things. Now another new big challenge in the case of farming is the frequently changing weather. Due to the changing mood of the weather, a good crop gets ruined at the last moment and the farmer is left with nothing but to hold his head. Bad or tainted crops are not even sold properly. Now the big challenge before the new Agriculture Minister of the country, Shivraj Singh, will be to present a universally acceptable solution to the angry farmers. Punjab, Haryana and Western Uttar Pradesh are such areas where the maximum purchase of crops is done on MSP. It remains to be seen how the farmers there will be taken into confidence. How can farming become a profitable business even with small holdings, how can the purchased produce be properly stored and processed, how can farming not be left to God's mercy and how can it be modernized, the talk of reforms in the agriculture sector is being raised from every quarter, but there are differences on what form these reforms should take and how they should be done. Authentic seeds, adequate irrigation, proper marketing and storage facilities of the produced crop and how to protect the rights of farmers in corporate farming are also big issues. Suicides of farmers disappointed by losses in farming and drowned in debt, increasing the share of agriculture sector in GDP and finding the possibility of increasing employment in farming are also big issues. It remains to be seen how Shivraj will be able to coordinate all these. If he succeeds, a new era of his political achievements can begin. The end of farmer discontent will also be a sign of BJP's political strength.

प्लान बनाकर की गई इमाम की हत्या, किसी ने न सुनी गोली की आवाज; मोबाइल में दफ्न है कत्ल का राज

मुरादाबाद के कटघर के भैंसिया गांव में मस्जिद के इमाम मौलाना मो. अकरम (36) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मंगलवार सुबह उनका शव घर के बाहर खंडहर नुमा मकान में पड़ा मिला।मुरादाबाद में इमाम मो. अकरम और उनके परिवार की किसी से कोई दुश्मनी सामने नहीं आने के कारण पुलिस और एसओजी ने पूरा फोकस तावीज के एंगल पर कर दिया है। इमाम पीर मुरीदी थे। जिस कारण बड़ी संख्या में महिलाएं आते थे। वह देर रात होने के बाद भी थे।पुलिस की एक टीम इमाम के पिछले दो दिन किन-किन नंबरों से जिसकी भी जांच की जा रही है। रामपुर गांव के तमाम लोग भैंसिया गांव पहुंचे। परिवार की किसी से कोई दुश्मनी नहीं उमर रेलवे से सेवानिवृत्त थे। वह खलीफा घोषित किया था। पुलिस इस वक्त इमाम को खलीफा घोषित किया थे, जो मिलने आते थे। इमाम भैंसिया अलावा वह ताबीज और डोरी भी बनाते पर इमाम का परिवार रहता है जबकि बनवाने वाली महिला और पुरुषों के और डोरी बनवाने वाले बैठते थे। नहीं सुनी गोली की आवाज- इस दिया गया है। इमाम की पत्नी अपने तीन

और पुरुष उनसे तावीज और डोरी बनवाने किसी को अपने घर से नहीं लौटते मोबाइल की कॉल डिटेल खंगाल रही है। इमाम के मोबाइल पर कॉल आई थी, के मसवासी गांव से इमाम के परिजन और परिजनों ने बताया कि मसवासी गांव में है। इमाम मो. अकरम के पीर हाजी मोहम्मद मुगलपुरा क्षेत्र में रहते थे। इमाम को उन्होंने एंगल पर भी काम कर रही है कि जिस गया था, उस समय कितने लोग दावेदार गांव की बड़ी मस्जिद के इनाम थे। इसके थे। दो मंजिल बने मकान की ऊपरी मंजिल ग्राउंड फ्लोर पर उन्होंने ताबीज और डोरी लिए बैठक बना रखी थी। यहां से ताबीज प्लानिंग के तहत की गई हत्या, किसी ने हत्याकांड को पूरी प्लानिंग के साथ अंजाम बच्चों को लेकर मायके गई थी। आस पड़ोस के लोगों ने भी फायरिंग की आवाज नहीं सुनी। लोगों का कहना है कि घटनास्थल के बराबर ही मुरादाबाद दिल्ली रेल लाइन है। दो से चार बजे के बीच कई ट्रेनें गुजरती हैं। हो सकता है कि जिस वक्त गोली मारी हो, उस वक्त भी कोई ट्रेन गुजरी होगी। जिस कारण ट्रेन गुजरने के शोर में गोली की आवाज दब गई होगी। एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया ने बताया कि मोबाइल की कॉल डिटेल से भी हत्या का सुराग मिलने की उम्मीद है। हमारी टीमें हर बिंदु पर जांच कर रही हैं। शम्मे की निकली इमाम के मोबाइल पर अंतिम कॉल- भैंसिया गांव के शम्मे ने इमाम के मोबाइल पर अंतिम कॉल की थी। शम्मे ने पहली काल मंगलवार की सुबह 4:05 बजे की थी, लेकिन फोन उठा नहीं। इसके बाद उन्होंने सुबह छह बजे इमाम के फोन पर कॉल की। पुलिस ने कॉल डिटेल के आधार पर शम्मे से पूछताछ की। तब उन्होंने बताया कि वह मस्जिद में फजर की नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद गए थे, लेकिन मस्जिद का दरवाजा बंद था। मस्जिद की चॉबी के लिए उसने इमाम के मोबाइल पर कॉल की थी। नमाज के बाद फिर से कॉल की थी, लेकिन कॉल नहीं रिसीव हुई थी। भाई का दावा, किसी से नहीं थी दुश्मनी- इमाम मौलाना इफ्तेकार ने बताया कि वह और उनके तीन भाई सरफराज, आजम, इकराम अपने अपने परिवारों के साथ मसवासी में रहते हैं जबकि इमाम भैंसिया गांव में अपने परिवार के साथ रहते थे। सभी भाइयों का एक-दूसरे के घर आना जाना था। भाई का कहना है कि उनकी किसी ने दुश्मनी नहीं थी। वह खुद परेशान हैं कि इतने नेक इंसान को किसने मार दिया। गांववालों ने बनाकर दिया था मकान- भैंसिया गांव में रहने वाले अधिवक्ता अब्दुल रहमान और अन्य लोगों का कहना है कि इमाम बहुत ही अच्छे इंसान थे। पूरा गांव उनकी इज्जत करता था। इमाम किराये के मकान में रहते थे। वह भैंसिया गांव की बड़ी मस्जिद में इमाम थे। उन्होंने भैंसिया में ही शिकारपुर की रहने वाली आमना से निकाह किया था। दंपती की चार बेटियां और दो बेटे हैं। गांववासियों ने गांव में जमीन खरीद कर दी और मकान बनवाकर दिया था। पैतृक गांव ले गए इमाम का शव- मंगलवार शाम करीब साढ़े पांच बजे पोस्टमार्टम के बाद इमाम का शव भैंसिया गांव लाया गया। यहां शव के अंतिम दर्शन के लिए हुजूम उमड़ पड़ा। करीब 20 मिनट शव गांव में रखने के बाद परिजन रामपुर मसवासी गांव ले गए।

अवैध संबंध के शक में पिता ने मारी थी नाबालिग बेटी को गोली, चौंकाने वाला सच सामने आने पर पुलिस भी हैरान

मुरादाबाद उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में नाबालिग लड़की को गोली मारने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। नाबालिग की हत्या उसके बाप ने ही की थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया है। जानकारी के अनुसार, बिलासपुर थाना इलाके के एक गांव में नाबालिग बेटी को अज्ञात लोगों द्वारा गोली मारने का आरोप लगाते हुए पिता ने मुकदमा लिखवाया था। पुलिस जांच में पिता ही आरोपी दिया।बिलासपुर गोली उसकी जांघ पुलिस अधीक्षक आस-पास के मुखबिरों को भी पर रात में घर पर है।

निकला। बुधवार को बिलासपुर पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए आरोपी पिता को न्यायालय में पेश कर जेल भेज थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने पुलिस को सूचना दी थी कि उसकी 17 वर्षीय बेटी पर किसी ने गोली चला दी। में लगी थी। मामले में पिता ने अज्ञात के खिलाफ तहरीर भी दी थी, जिसमें बिलासपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था। राजेश द्विवेदी के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी बिलासपुर ने मामले के खुलासे के लिए टीम गठित की थी। जिसके बाद टीम ने करीब 40 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चैक किए और परिवार के लोगों से पूछताछ के दौरान गहनता से जांच की गई। मामले के खुलासे के लिए लगाया गया था। जांच में सामने आया कि मुकदमा लिखवाने वाले पिता ने ही नाबालिग बेटी मौजूद नहीं मिलने पर अवैध संबंध के शक में गोली चलाई थी। आरोपी पिता को एक तमंचे के साथ गिरफ्तार किया गया

जीवन का क्षण प्रति क्षण समर्पित कर, लोकसभा क्षेत्र के विकास की लिखेंगे नई इबारत – डॉ राजेश मिश्रा

क्यूँ न लिखूँ सच -अरुण मिश्रा

देवेंद्रनगर- सीधी। सीधी लोकसभा संसदीय क्षेत्र सीधी सिंगरौली और ब्योहारी के संपूर्ण विकास के लिए अपने आप को खापा दूंगा। हमारे सभी विधायक कंधे से कंधे मिलाकर विकास की नई इबारत लिखेंगे। सीधी की जनता ने जो स्नेह, प्यार और अपना प्रतिपल केवल और केवल संसदीय क्षेत्र के विकास नई इबादत अगले 5 साल वर्षों में हम प्रधानमंत्री नरेंद्र सांसद पहले दिन ही दिखे एक्शन मे नवनिर्वाचित सांसद नहीं बना हूं। मैं क्षेत्र की जनता की सेवा और कर प्रधानमंत्री शपथ ग्रहण समारोह के अगले दिन बोर्ड के अध्यक्ष तत्काल स्वीकार करते हुए तत्काल अब सिंगरौली से दिल्ली और सिंगरौली से भोपाल चलने को अति शीघ्र पूरा हो, इसके लिए मैंने उनका ध्यान सांसद डॉ राजेश मिश्रा के विशाल वाहन काफिले का

बहुमूल्य मत हमें दिया है, उसके बदले मेरा क्षण क्षण , पल के लिए होगा। सीधी लोकसभा संसदीय क्षेत्र में विकास की मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के साथ मिलकर लिखेंगे। सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहां की मैं आराम करने के लिए क्षेत्र के विकास के लिए कृत संकल्पित हूं। मैं दिल्ली पहुंचने मैंने रेल मंत्रालय से मिलकर रेलवे की बात रखी, जिसे रेलवे दिशा निर्देश जारी किये। जिसके कारण रेल का फेरा बढा। वाली ट्रेनों के फेर बड़े हैं और सीधी सिंगरौली रेल परियोजना आकृष्ट कराया। जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत - नवनिर्वाचित चुरहट, सेमरिया और सीधी नगर मंडल के दर्जनों स्थानों पर शानदार आतिशबाजी, गाजे बाजे के बीच जोरदार स्वागत और अभिनंदन हुआ।कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री डॉ मनोज मिश्रा एवं आभार प्रदर्शन जिला महामंत्री विनोद साकेत ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से भाजपा प्रदेश कार्य समिति के सदस्य पूर्व जिला अध्यक्ष इंद्र शरण सिंह चौहान, लोकसभा संयोजक के के तिवारी, पूर्व जिला अध्यक्ष लालचंद गुप्ता, जनपद अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार, नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र सिंह मुन्नू सहित सैकड़ो पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता हजारों की संख्या में जनता जनार्दन के साथ उपस्थित रहे।

शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी विद्यालय देवेंद्रनगर में ग्रीष्मकालीन समर कैम्प का हुआ समापन

क्यूँ न लिखूँ सच -रमाशंकर तोमर

देवेंद्रनगर- शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी विद्यालय देवेंद्रनगर में स्कूल शिक्षा व खेल विभाग द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 13 मई से 13 जून तक 20 दिवसीय समर कैम्प का सफल आयोजन प्रभारी प्राचार्य राजेश रैकवार के नेतृत्व में खेल प्रभारी फहीम खान ट्रैनर मुकेश खरे,श्वेता शर्माधीरज सेन,संगीता कुजूर,बबीता रावत के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। जिसमे शासकीय व अशासकीय विद्यालयों के 100 से अधिक छात्र छात्राओं ने विभिन्न किया।जिसका समापन 12 जून को किया गया। समापन देवेंद्रनगर अध्यक्ष शिवांगी गुप्ता व विशिष्ठ अथिति राजेश कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती,भारत माता व स्वामी कार्यक्रम के विशिष्ठ अथिति राजेश मिश्रा ने अपने बच्चों में खेल के प्रति भी अभिरुचि लाना हैं। व तनाव स्वस्थ शरीर से मस्तिष्क का विकास होता हैं। उन्होंने वाले हर्षिता विश्वकर्मा व सेंसई इरफान खान का उल्लेख खेल कैलेंडर की भी जानकारी दी गई। उन्होंने आगे में जान होती है।पंख से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान अध्यक्ष शिवांगी गुप्ता द्वारा,रैनबो डायरेक्टर प्रमित किया गया। समर कैम्प में सम्मलित व प्रतियोगिता में विद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाली

खेलों में सहभागिता कर प्रशिक्षण प्राप्त अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अथिति नगर परिषद मिश्रा जिला क्रीड़ा अधिकारी पन्ना उपस्थित रहे। विवेकानंद का पूजन अर्चन कर किया गया। सम्बोधन में बताया कि इस समर कैम्प का उद्देश्य से मुक्ति हेतु जीवन मे खेल का महत्व होता हैं। आबूधाबी में देश व जिले का नाम रोशन करने किया व मंच के माध्यम से बधाई दी।वहीं वार्षिक कहा कि मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों होती है। कार्यक्रम को मुख्यथिति नगर परिषद अग्रवाल,सेंसई इरफान खान द्वारा भी सम्बोधित नगर,जिला,सम्भाग व राज्यस्तरीय खेल बालिकाओं को मैडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन मुकेश खरे व आभार व्यक्त प्रभारी प्राचार्य राजेश रैकवार द्वारा किया गया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिवांगी गुप्ता,राजेश मिश्रा,सतेंद्र सिंह परिहार,पहलवान सिंह,महेंद्र विश्वकर्मा, शिवकुमार मिश्रा,लारेंस सर,इरफान खान,प्रमित अग्रवाल,रमेश अग्रवाल, ललित गुप्ता, रमाशंकर तोमर,कृष्णा अग्रवाल,मुकेश खरे,फहीम खान,विजय खरे,धीरज सेन,मनोज विश्वकर्मा,संगीता कुजूर,श्वेता शर्मा,बबीता रावत,आत्माराम शर्मा,नीरज पाठक,रामनारायण पाठक,शिवमोहन बाजपेयी,सीताशरण पटेल,जीपी प्रजापति,प्रतिभा तिवारी,उमा मिश्रा,गणेश कुमारी विश्वकर्मा, अंतिमा मिश्रा सहित छात्र छात्राएं, अभिभावक मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

रियासी आतंकी हमले को लेकर सपा के पूर्व सांसद डॉ एसटी हसन ने भाजपा पर जमकर बोला हमला

मुरादाबाद- जम्मू कश्मीर में श्रद्धालुओं पर हुए आतंकी हमले के मुद्दे पर केंद्र की भाजपा सरकार को घेरते हुए सपा के पूर्व सांसद डॉ एसटी हसन ने बड़ा हमला बोला है। सपा नेता ने कहा है कि

हम इस हमले की कड़ी निंदा करते हैं, मासूम और गरीब लोग अपने ईश्वर की पूजा उपासना करने जा रहे थे, जिनका कोई कसूर नहीं था उनकी बस की जो सुरक्षा होनी चाहिए थी वह नहीं हुई यह कहीं न कहीं प्रशासनिक चूक है। उन्होंने कहा कि यह सरकार आतंकवाद और धारा 370 पर झूठ पर झूठ बोलती रहती है, वहां हर महीने आतंकी घटनाएं हो रही हैं, बहुत सी घटनाएं हमारे सामने भी नहीं आ पाती हैं। वहां हमारे सैनिक शहीद हो जाते हैं ,वहां आतंकवाद लगातार जारी है और सरकार अभी तक आतंकवादियों से कोई बदला नहीं ले पाईं है।नई सरकार के मंत्री मंडल पर सवाल खड़ा करते हुए उन्होंने कहा कि आज़ाद हिंदुस्तान में यह पहली बार है, जब एक भी मंत्री मुस्लिम समाज से नहीं लिया गया है। देश की दूसरी सबसे बड़ी आबादी को सबका साथ सबका विकास करने वाले लोग नजरंदाज़ कर रहे हैं। फिर कैसे ये सबका साथ ले सकते हैं। ये अपने गिरेबान में झांक कर देखें। संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर हसन ने कहा कि पहले संघ भाजपा की गलतियों पर खामोश रहता था और इन पर बहुत अहसान उन्होंने किए थे लेकिन जे पी नड्डा के बयान के बाद अब वह इनकी गलतियों पर चुप नहीं रहेगी। लेकिन जब मणिपुर में हिंसा हो रही थी और हमारी बहनों को नंगा कर सड़कों पर घुमाया जा रहा था तब क्यों चुप थे क्या इंसानियत के लिए भी राजनीति ज़रूरी है ? तब इन्हें बोलना चाहिये था लेकिन उस वक़्त यह चुप रहे। उस समय इंसानियत के लिए इन्हें बोलना चाहिये था। उन्होंने कहा कि अब जब जे पी नड्डा ने कहा कि हमें संघ की ज़रूरत नहीं है तो संघ बोल रहा है। सपा नेता ने यूपी में आने वाले विधानसभा उपचुनाव में मुरादाबाद की कुंदरकी विधान सभा सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि पिछली बार अखिलेश यादव चाहते थे कि मैं रामपुर से लोकसभा चुनाव लडूं लेकिन न लड़ कर मुझ से गलती हुई है अब अगर मेरे नेता अखिलेश यादव मुझसे कहेंगे तो कुंदरकी से मैं विधान सभा का उप चुनाव लड़ने को तैयार हूं।

कांग्रेस की धन्यवाद यात्रा को पुलिस ने रोका, जमकर हुई नोकझोंक... फिर स्थगित कर दी गई पदयात्रा

मुरादाबाद जिलाध्यक्ष विजय शर्मा ने बताया कि पुलिस ने मनमानी दिखाते हुए पदयात्रा को रोका है। जबकि कार्यक्रम की सूचना पहले ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को दे दी गई थी ।लोकसभा चुनाव में मिले अच्छे परिणाम से खुश कांग्रेस ने विधानसभावार धन्यवाद पदयात्रा निकालना तय किया था, लेकिन पुलिस ने इस पदयात्रा को संभल के चौधरी सराय में रोक दिया। इस दौरान कांग्रेसियों से पुलिस की जमकर नोकझोंक हुई। हंगामा बढ़ने पर पीएसी को बुलाया गया।

कोतवाली पुलिस ने बामुश्किल हंगामा शांत किया। बाद में पदयात्रा को कांग्रेसियों ने स्थगित कर दिया। जिलाध्यक्ष विजय शर्मा ने बताया कि पुलिस ने मनमानी दिखाते हुए पदयात्रा को रोका है। जबकि कार्यक्रम की सूचना पहले ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को दे दी गई थी। कोतवाल पवन कुमार ने कहा कि अनुमति नहीं होने के चलते पदयात्रा को रोका गया है। कांग्रेसियों ने चौधरी सराय पुलिस चौकी के प्रभारी पर परेशान करने का आरोप लगाया। कहा कि चौकी प्रभारी ने एक दल के पक्ष में काम किया है। मतदान के दिन भी गठबंधन के कार्यकर्ताओं के साथ अभद्रता की थी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

ससुराल में सितम: पाकिस्तानी बीवी को बरेली में शौहर ने दिया तलाक, आपबीती बताते हुए रो पड़ी पीड़ित

बरेली में पाकिस्तान मूल की महिला को तीन तलाक देने का मामला सामने आया है। पीड़ित का आरोप है कि शौहर ने मंगलवार रात उसे बुरी तरह पीटा और तीन तलाक देकर बच्चों के साथ घर से निकाल

दिया। उत्तर प्रदेश के बरेली में तीन तलाक का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला पाकिस्तान की रहने वाली है। उसने बताया कि उसका निकाह 2008 में पाकिस्तान में ही बरेली के युवक से हुआ था। उसके दो बच्चे हैं। उसने बताया कि शौहर व ससुरालवाले कई साल से उसका उत्पीड़न कर रहे हैं। इस मामले में उसने मुकदमा भी दर्ज करवा रखा है। पति ने मंगलवार को उसको बुरी तरह पीटा। उसे तीन तलाक देकर बच्चों के साथ घर से निकाल दिया। पीड़ित महिला ने बुधवार को दरगाह पहुंच कर मौलाना शहाबुद्दीन रजवी से मदद मांगी। कोतवाली में तहरीर भी दी है। पाकिस्तानी महिला ने रो-रोकर अपना दर्द बयां किया। उसने बताया कि वह मूल रूप से पाकिस्तान की रहने वाली है। साल 2008 में उसका निकाह हुआ था। तब शौहर ने कहा था कि वे लोग वहीं रहेंगे। पांच महीने पाकिस्तान में रहने के बाद शौहर उसे बहला-फुसलाकर बरेली ले आया। बरेली आने के बाद शौहर और ससुरालवालों ने उसका उत्पीड़न शुरू कर दिया।चाकू दिखाकर धमकाता है शौहर -पीड़ित ने बताया कि शौहर शराब पीकर घर आता है। उसे और बच्चों को चाकू दिखा धमकाता है। इरम ने इन लोगों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज करवा रखा है। शौहर साजिश रचकर उसके लंबी अवधि के वीजा में अड़चन डालता है। मुकदमा वापस लेने के लिए लगातार दबाव बना रहा है। ससुरालवाले उसे और बच्चों को खाने पीते के लिए नहीं देते हैं। अब हद से ज्यादा हो गया है। अब बर्दाश्त नहीं होता है। पीड़ित ने बताया कि मंगलवार रात को शौहर कमरे में आया। उसे गालियां दीं और मारा-पीटा। इस दौरान उसने तीन तलाक दे दिया। उसने धमकी दी कि मुकदमा वापस ले ले वरना जान से मार दूंगा। तेरे घरवालों को तेरी लाश भी नसीब नहीं होगी। पीड़ित ने पूरे मामले की शिकायत पुलिस से भी की है।

सशस्त्र सीमा बल ने सीमावर्ती गांव में किया ग्राम सुरक्षा समिति की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच
अरविंद कुमार यादव

श्रवस्ती। आर. के. राजेश्वरी 62वी वाहिनी कमांडेंट के दिशा निर्देशन एवं केएच नाबा चंद्रा सिंह, सहायक कमांडेंट की अध्यक्षता में सीमा चौकी हकीमपुरवा के कार्यक्षेत्र शंकर नगर गांव में ग्राम सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान केएच नाबा चन्द्र सिंह ने ग्रामीणों का अभिवादन किया और ग्रामीणों को गांव की सामूहिक व मूलभूत समस्याओं के बारे में पूछा। इस पर ग्रामीणों ने गांव की मूलभूत समस्याओं के बारे में अवगत कराया की बिजली कटौती से हालात बहुत खराब है। पाइप लाईन के कार्य से टूटी हुई सड़क पर चलना दुश्वार है। टेलीफोन सिग्नल जल्दी से लगाया जाए, एमरजेंसी होने पर एसएसबी की तरफ से एंबुलेस की सुविधा उपलब्ध कराई जाय। जिसपर आश्वस्त

किया गया कि गाँव की समस्या को जल्द ही जिला प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराकर निराकरण किया जाएगा। ग्रामीणों को बताया गया कि एसएसबी निरंतर ग्रामीणों को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता लाने का प्रयास करती हैं। भारत-नेपाल की सीमा खुली होने के कारण असामाजिक तत्व भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्त है। जिसकी कोई भी सूचना आपको मिलती है तो नजदीकी एसएसबी कैम्प को बताए ताकि उस पर तुरंत कार्यवाही कर किसी दुर्घटना से देश को बचाया जा सके । एसएसबी का सहयोग करे। अराजक तत्वों के बहकावे में न आये और गलत कार्यों में संलिप्त न हों। इस मौके पर श्जीश समवाय प्रभारी निरीक्षक मान बहादुर गुरूंग, उप निरीक्षक सत्यापाल परिहार, उप निरीक्षक प्रेम राज, उप निरिक्षक गुरबचन सिंह, उप निरीक्षक आनंदा कंवर और भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जिले और विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए पाँच साल का रोड मैप बनाएं - मुख्यमंत्री

क्यूँ न लिखूँ सच
अरुण मिश्रा

सीधी - मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे प्रदेश में 5 जून से जल संवर्धन और संरक्षण के लिए अभियान चलाया जा रहा है। कई जिलों में बहुत अच्छा कार्य हो रहा है। जल संरक्षण और संवर्धन हमारी प्राचीन परंपरा है। वृक्षों और जल स्त्रोतों में भी हम देवताओं का वास मानते हैं। नदियों की देवियों की तरह पूजा की जाती है। पूरे प्रदेश में लाखों तालाब, प्राचीन बावड़ी, कुएं तथा अन्य जल संरचनाएं हमारी जल संरक्षण की परंपरा के गवाह हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान में इनका जीर्णोद्धार करके नया स्वरूप दें जिससे वर्षाकाल में अधिक से अधिक जल का संग्रहण हो सके। अच्छी वर्षा होने के बाद शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में वृक्षारोपण का अभियान

चलाएं। रोपित पौधों की सुरक्षा और देखभाल का भी पूरा प्रबंध करें। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नदियों के उद्गम स्थलों की साफ-सफाई तथा विकास का कार्य कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाएगा। निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में बीज उपलब्ध है। इसका ठीक से वितरण कराएं। यूरिया का भी पर्याप्त भण्डार कर लिया गया है। किसानों को डीएपी के साथ-साथ इसके विकल्प के रूप में सिंगल सुपर फास्फेट तथा एनपीके के खाद के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करें। मिलावट के विरूद्ध भी सभी जिलों में प्रभावी अभियान चलाएं। मिलावट करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करें। बिजली की आपूर्ति तथा खराब ट्रांसफार्मर बदलने की सतत निगरानी करें। जिला और संभाग स्तर पर बाढ़ तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित करें। पूरे प्रदेश में अभियान चलाकर लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरण कराएं। जमीन की रजिस्ट्री होने के साथ उसका नामांतरण सुनिश्चित करें। बैठक में कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से विधायक सीधी रीती पाठक, कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक डॉ. रविन्द्र वर्मा, वनमण्डलाधिकारी क्षितिज कुमार, अपर कलेक्टर राजेश शाही, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव, उपखण्ड अधिकारी सिहावल प्रशांत त्रिपाठी, कुसमी एस.पी. मिश्रा, मझौली आर.पी. त्रिपाठी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के द्वारा थाना बहरी अंतर्गत पंचायत भवन रामड़ीह में किया गया जन चौपाल का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -अरुण मिश्रा

सीधी - पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ रविन्द्र वर्मा द्वारा कई बार रात्रि में थानो को औचक निरीक्षण कर समस्त राजपंत्रित

अधिकारियों को भी उनके अनुभाग के थानो का रात्रि में अचानक भ्रमण कर थाना क्षेत्र में ही रूकने का निर्देश दिया गया था। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्रीमती गायत्री तिवारी द्वारा दिनांक 11.06.24 की दरमियानी रात्रि सीधी अनुभाग के बहरी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत भवन रामड़ीह में जन चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में सीएम हेल्पलाईन की शिकायत कर्ताओं की शिकायत सुन उनका निराकरण किया गया साथ ही चौपाल में आये ग्रामीणो से पुलिस से संबंधित शिकायते जानकर उनका निराकरण किया गया। उप पुलिस अधीक्षक रामड़ीह पंचायत भवन में ही रात्रि मुकीम कर क्षेत्र के गतिविधियों एवं कानून व्यवस्था के बारे मे जानकरी ली जाकर उनके समाधान के बारे में थाना प्रभारी बहरी को निर्देशित किया गया। इस दौरान थाना प्रभारी बहरी निरीक्षक श्रीमती रीता त्रिपाठी मय स्टॉफ एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

अपने देश से अपनी यारी अब स्वच्छता अभियान को सफल बनाने की है बारी किच्छा कोतवाली को स्वच्छ बनाने को ठानी

क्यूँ न लिखूँ सच
यशवंत कुमार

उधमसिंह नगर/किच्छा - कोतवाल सुंदरम शर्मा ने फिर अनोखा अभियान चला दिया है वो अपने कार्य से लगातार चचाओं में बने रहते अब प्रत्येक रविवार को कोतवाली एक एवम् चोकी में तैनात सभी दरोगाओं और सिपाहियों को कोतवाली प्रांगण को साफ सुथरा रखने के लिए श्रमदान करने का निर्देश दे रखा है स्वयं

कोतवाल भी इस काम में सुबह रविवार को 2 घंटे तक अपने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ इस सफाई में लगे रहते हैं उनका कहना है कि जिस प्रांगण में हम रह रहे हैं वह साफ सुथरा होना चाहिए इस कड़ी में आज रविवार को कोतवाल सुंदरम शर्मा ने कोतवाली गेट पर पिछले कई दशकों से कबाड़ से भरे हुए एक प्लांट को खाली करवाया

इस पर जो सामान रखा हुआ था उसको सुरक्षित स्थान पर रखवा कर इस जगह को पार्किंग के लिए तब्दील करवाया कोतवाल की इस कार्य की हर ओर जमकर सराहना की जा रही है जो किच्छा क्षेत्र में चचाओं का विषय बना हुआ है यहां पर दरोगा राजेन्द्र पंत, विजय कुमार, अर्जून, ओमप्रकाश नेगी,मनोज कुमार तेजतर्रार सिपाही देवराज सिंह नितिन रौतेला बृज मोहन जगमोहन जग्गूसमेत कोतवाली के तमाम कर्मचारी अधिकारी मौजूद रहे

नवनिर्वाचित सांसद डॉ.राजेश मिश्रा का प्रथम नगर आगमन पर हुआ भव्य स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच -अरुण मिश्रा

सीधी। मैं आप सभी के बीच लोकसभा चुनाव में मिले अपार जन समर्थन, स्नेह और आशिर्वाद से ओत-प्रोत होकर आपके बीच आप

सभी देवतुल्य जनता-जनार्दन एवं कार्यकर्ताओं का दोनो हांथ जोडक़र अभिनंदन करता हूं। आप सभी का आभार इसलिये भी कि आपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लगातार तीसरी बार दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत का प्रधानमंत्री बनने का सुअवसर प्रदान किया है। चुरहट विधानसभा में सर्वाधित मत रामपुर नैकिन मण्डल से प्राप्त हुये हैं इसलिये भी आप सभी को दोनो हांथ जोडक़र अभिनंदन करता हूं। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद डॉ.राजेश मिश्रा ने प्रसिद्ध शक्तिपीठ मैहर वाली माता के दरबार में पहुंचकर मत्था टेककर आशिर्वाद लिया और लोकसभा संसदीय क्षेत्र की जनता-जनार्दन के कल्याण की कामना की। साथ में भाजपा प्रदेश मंत्री एवं सीधी जिला संगठन प्रभारी राजेश पाण्डेय, भाजपा जिलाध्यक्ष देवकुमार सिंह चौहान, धौंहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम, सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक, लोकसभा संयोजक के.के.तिवारी सहित अनेक उपस्थित रहे। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद डॉ.राजेश मिश्रा का प्रथम नगर आगमन पर शानदार आतिशबाजी के बीच भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद, नरेन्द्र मोदी जिंदाबाद, डॉ.राजेश मिश्रा जिंदाबाद के नारों के बीच जिले के प्रमुख स्थान बहेरा, बघवार टोल प्लाजा, हत्था, मुर्तला, रामपुर नैकिन, कंधवार, कुआं, कठौली, चुरहट, सर्रा, कठौतहा, बढ़ौरा, तेंदुआ में शानदार स्वागत हुआ। स्वागत का क्रम देर रात तक जारी रहा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से लालचंद गुप्ता, नगरपालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह मुन्नू, डॉ देवेंद्र त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष डॉ.विक्रम सिंह, प्रमोद द्विवेदी, जिला मीडिया प्रभारी सुरेन्द्रमणि दुबे, मण्डल अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह, प्रवीण तिवारी, रजनीश शुक्ला, प्रदीप शुक्ला, आनंद बिहारी मिश्रा, सुधीर शुक्ला, भानू पाण्डेय, डॉ.अजय मिश्रा, डॉ.अनूप मिश्रा, जीतेन्द्र तिवारी, मनोज तिवारी, डॉ.मनोज सिंह परिहार सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

सूचना

तलाश गमशुदा/अपहर्ता

नाम - गुलफसा
ऊँचाई - 04 फीट 10 इंच
हूलिया-गेहुंआ रंग , लंबा चेहरा , शरीर इकहरा मजबूत, फ्रांक व पैजामी लाल रंग पहने हुए है।

आप सभी को सूचित किया जाता है कि सद्दाम हुसैन पुत्र शमशुल हुसैन निवासी ग्राम केसरपुर थाना भुता जिला बरेलीं की बहन गुलफसा पुत्री श्री शम्रशुल हुसैन (उम्र करीब 14 वर्ष) दिनांक 04.05.2024 को अज्ञात व्यक्ति के साथ लापता है यदि इस सम्बन्ध में किसी को कोई सूचना मिले तत्काल सूचना दें।

थानाध्यक्ष थाना भुता बरेली
मो0न0 9454403084

जांच कर्ता
उ0नि0 श्री ब्रजेश कुमार
मोएन0 9456817793

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

भक्ति के लिए भगवान का संबंध सर्वोपरि है -रोहितनन्द जी महाराज

बरेली- ज्वाला देवी सिद्ध पीठ भगवतीपुर बरेली मैं हो रही दिव्य श्री राम कथा सुनाते हुए उन्होंने कहा भक्त के लिए भगवान का संबंध सर्वोपरि है अब तो वही है जिसने

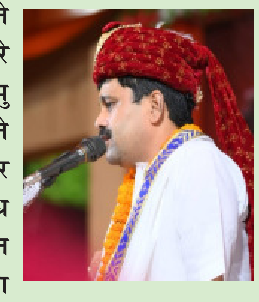

निर्णय कर लिया कि प्रभु श्री राम मेरे हैं और मैं प्रभु श्री राम का हूं मैं प्रभु का वर्णन कर लिया है और प्रभु ने मेरा अब कुछ भी वरणीय नहीं है अगर भगवान से संबंध रखकर कोई संबंध बनाता है तो भक्त को स्वीकार है लेकिन भगवान को छोड़कर कोई संबंध बनाता है तो भक्ति के लिए संबंध का कोई मूल्य नहीं है भगवान का संबंध सर्वोपरि है शेष सारे संबंध बाद में हैं तभी तो जब श्री राम जी ने लक्ष्मण जी से अयोध्या में रहकर माता-पिता की सेवा के लिए कहा तो उन्होंने साफ कह दिया कि प्रभु मैं आपके अतिरिक्त और किसी को नहीं जानता हूं मेरे गुरु माता-पिता आप ही हो और वह प्रभु श्री राम के साथ बन के लिए गए भगवान का भक्त प्रभु पर सब कुछ अर्पण करने के लिए तैयार रहता है इस अवसर पर मदन पटेल मनोज प्रधान जी केसरपुरा अमित गंगवार बरेली से प्रधान भगवानपुर पचौनी से बरेली से भारी संख्या में भक्त उपस्थित रहे

मवेशी से टकराकर बाइक सवार आरक्षी घायल

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। मवेशी से मोटरसाइकिल सवार के टकराने से बाइक सवार आरक्षी गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसको थाने के अन्य आरक्षियों ने सीएचसी में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार मल्हीपुर थाने में आरक्षी के पद पर तैनात अंकित शुक्ला पुत्र अज्ञात (25) निवासी जनपद बस्ती जो मोटरसाइकिल पर सवार होकर मल्हीपुर चौराहा किसी काम से गए थे और वापस अपनी मोटरसाइकिल से मल्हीपुर थाना जा रहे थे, कि तभी थाने से 50 मीटर पहले भारत गैस एजेंसी के पास अचानक मवेशी के आ जाने से मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर टकरा गई। जिससे बाइक सवार चालक आरक्षी गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसको अन्य सिपाहियों के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर में भर्ती कराया। जहां पर चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार किया जा रहा है।

रीवा जिले में भ्रष्टाचार की हद हो गई पार, पानी कि टंकी भरभराकर नेस्तनाबूत

क्यूँ न लिखूँ सच -अखिलेश तिवारी

रीवा एमपी- रीवा जिले के जवा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत लूक का सामने आया है, जहाँ जनता के लिए पीने के पानी के लिए बनाई गई करोड़ों की लागत कि पानी टंकी जिसमे पानी भरते ही वह भर भराकर नेस्तनाबूत हो गई, सरकार का करोड़ों रूपये पानी में बह गया, इतना बड़ा भ्र्ष्टाचार क्या शासन प्रशासन के

अधिकारियों को नहीं दिखा, य वो भी मलाई छान गए, जिसका नतीजा आप सबके सामने है, अब जिला कलेक्टर इस पूरे मामले में आगे क्या कार्यवाई करेंगी, यह देखना दिलचस्प होगा।

8.95 ग्राम स्मैक के साथ एक महिला गिरफ्तार, सिपाही देवराज और बृजमोहन की मेहनत लाईं रंग

क्यूँ न लिखूँ सच -यशवंत कुमार

उधमसिंह नगर/किच्छा - कोतवाल सुन्दरम शर्मा द्वारा नशे के विरुद्ध अभियान चलाकर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए

गए हैं प्रभारी निरीक्षक किच्छा के नेतृत्व मे किच्छा पुलिस द्वारा कल दिनांक 11/06/2024 को एक महिला शकुंतला देवी पत्नी कल्लू निवासी टीचर्स कॉलोनी किच्छा जनपद उधम सिंह नगर उम्र 45 वर्ष को उसके घर के बाहर से 8.95 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया अभियुक्त के विरुद्ध थाना किच्छा में मुकदमा एफआईआर नंबर 266/24 धारा 8/21 NDPS Act के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है, अभियुक्त को समय से माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा उप निरीक्षक अर्जुन सिंह एडिशनल उपनिरीक्षक जगदीश (3) कानि0 देवराज सिंह (4) कांस्टेबल बृजमोहन (5) महिला कांस्टेबल अदिति

ममता का कत्ल: बिजनौर में मां ने चार वर्ष के इकलौते बेटे को फावड़े से काटकर जिंदा जलाया, खौफनाक है वारदात

उत्तर प्रदेश के बिजनौर में मंगलवार को दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। यहां एक मां ने अपने इकलौते पुत्र को फावड़े से काटकर जिंदा जला डाला। पुलिस ने आरोपी मां को हिरासत में ले लिया है।उत्तर प्रदेश के बिजनौर में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र की गांव जलालपुर हसना में एक कलयुगी क मां ने अपने इकलौते चार वर्षीय पुत्र को फावड़े से काटकर जिंदा जला दिया।जंगल से घर पहुंचे पिता ने जिंदा जल रहे पुत्र को आग से निकाला और इलाज के लिए डॉक्टर के पास ले गया। जहां डॉक्टरों ने मासूम को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी मां को

हिरासत में ले लिया। उससे पूछताछ की जा रही है।थाना क्षेत्र के गांव जलालपुर हसना में बुधवार की सुबह एक कलयुगी मां आदेश पत्नी कपिल कुमार ने अपने चार वर्ष के मासूम इकलौते पुत्र हर्ष उर्फ कल्लू को फावड़े से काटकर जिंदा ही आग के हवाले कर दिया। खेत से लौट कर आए मासूम के पिता कपिल ने ये खौफनाक दृश्य देखा तो उसका कलेजा मुंह को आ गया। उसने अपने पुत्र को आग से निकाला और उसे डॉक्टर के पास ले गया लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। डॉक्टर ने मासूम को मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। मौके पर पहुंची पुलिस तथा क्षेत्राधिकार चांदपुर भारत सोनकर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण घटना स्थल पर पहुंचे। पुलिस ने आरोपी मां को हिरासत में ले लिया है। वहीं पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

'EMI' पर रिश्वत : दरोगा ने पांच लाख रुपये मांगी घूस, 50 हजार की पहली किस्त लेते गिरफ्तार

बरेली के किला थाना में दर्ज एक मुकदमे में दो लोगों का नाम निकालने के लिए प्रेमनगर थाने के दरोगा रामौतार ने पांच लाख रुपये रिश्वत मांगी थी। पहली किस्त के तौर पर 50 हजार रुपये लेते हुए दरोगा को कैंट थाना क्षेत्र के नकटिया में विजिलेंस ने गिरफ्तार कर लिया। बरेली में रिश्वतखोरी का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। मुकदमे से नाम निकालने के एवज में दो लोगों लाख रुपये की रिश्वत मांगी। जब उक्त लोगों रकम देने में असमर्थता जताई तो दरोगा की दरियादिली दिखाई कि ईएमआई की तरह रिश्वत तय कर ली। उक्त लोगों ने इसकी विजिलेंस में कर दी। विजिलेंस की टीम ने पहली किस्त लेते दरोगा को गिरफ्तार कर जानकारी के मुताबिक किला थाने में दर्ज में आरोपी महिला और व्यक्ति निकालने को

एक दरोगा ने से पांच ने इतनी बड़ी ऐसी किस्तों में शिकायत रिश्वत की लिया। एक मुकदमे लेकर

प्रेमनगर थाने के दरोगा रामौतार ने पांच लाख रुपये रिश्वत मांगी थी। इस पर व्यक्ति ने इतनी बड़ी रकम एक साथ देने में असमर्थता जताई। उसने दरोगा से किस्तों में रकम लेने का अनुरोध किया। दरोगा ने दरियादिली दिखाते हुए उससे किस्तों में पांच लाख रुपये की रिश्वत तय कर ली। उस व्यक्ति ने एसपी विजिलेंस से लिखित शिकायत की। जांच में आरोप की पुष्टि होने पर विजिलेंस की टीम ने रिश्वत की पहली किस्त के तौर पर 50 हजार रुपये लेते दरोगा को कैंट थाना क्षेत्र के नकटिया में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी दरोगा रामौतार नरियावल स्थित एक मकान में किराये पर रहता है। विजिलेंस एसपी अरविंद कुमार ने बताया कि दरोगा ने किश्तों में घूस की रकम देने को कहा था। पीड़ित ने शिकायत की तो टीम ने दरोगा को मौके पर पकड़ लिया। उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना, क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

अब एक लाख तक आय होने पर ले सकेंगे शादी अनुदान योजना का लाभ, ज्यादा परिवारों को मिलेगा फायदा

उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछड़ा वर्ग कल्याण की शादी अनुदान योजना के तहत आवेदकों की आय सीमा में बड़ा बदलाव किया है। अब शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आवेदकों की वार्षिक आय सीमा एक लाख रुपये तक बढ़ा दी गई है। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने बताया कि इस बदलाव से पिछड़े वर्ग के अधिक परिवारों को अपनी पुत्रियों की शादी के लिए सरकारी सहायता प्राप्त करने में मदद मिलेगी। शादी अनुदान योजना के तहत अभी तक शहरों में 56460 और ग्रामीण क्षेत्रों में 46080 हजार रुपये आय सीमा है। वहीं, पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ने लापरवाही बरतने वालों से जवाब-तलब के निर्देश दिए हैं।पहले शहरी क्षेत्रों में आवेदकों की आय सीमा 56,460 रुपये और ग्रामीण क्षेत्रों में 46,080 रुपये सालाना थी। अब इसे एक समान एक लाख रुपये कर दिया गया है। योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने में लापरवाही बरतने वालों को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए।उन्होंने पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की वित्त वर्ष 2024-25 के लिए छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत प्राप्त आवेदनों और भुगतान की जिलेवार स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने जगतगुरू रामभद्राचार्य राज्य दिव्यांग विश्वविद्यालय, चित्रकूट के संकायों में दिव्यांग और सामान्य छात्रों के प्रवेश और संकाय संचालन के लिए रिक्तियों और नियुक्तियों की स्थिति की जानकारी ली। कहा कि छात्रों की संख्या में वृद्धि की जाए। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग में 154 रिक्त पद भरने के निर्देश-नरेंद्र कश्यप ने विभागीय समीक्षा में निर्देश दिए कि विभाग के रिक्त 154 पदों को भरे जाने की आवश्यक कार्यवाही तत्काल की जाए। जिन रिक्तियों की तैनाती अन्य विभागों के माध्यम से होनी है, वहां पर पत्राचार कर तैनाती सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता नहीं बरती जानी चाहिए।

यूपी सरकार का दावा, देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने वाले राज्यों में यूपी नंबर वन

यूपी सरकार ने दावा किया है कि प्रदेश ने 10 जून को 28889 मेगावाट विद्युत आपूर्ति कर महाराष्ट्र को पीछे छोड़ दिया है। अब यूपी देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने वाले राज्यों में प्रथम स्थान पर आ गया है।यूपी सरकार ने दावा किया है कि उत्तर प्रदेश ने भीषण गर्मी में विद्युत की बढ़ी मांग को सकुशल पूरा करते हुए एक बार फिर से पूरे देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने का रिकॉर्ड बनाया है। प्रदेश में जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है, उपभोक्ताओं की विभाग मंत्री ए.के. शर्मा के निर्देशन में लगातार नये आयाम मेगावाट की सर्वाधिक विद्युत मांग को पूरा करते हुए देश में मुताबिक 10 जून 2024 को एक बार फिर से उत्तर प्रदेश ने जैसे राज्यों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया की चुनौती को सकुशल पूरा कर विगत वर्ष की भांति ही देश में महाराष्ट्र के नाम था। इस वर्ष 10 जून को जारी रिपोर्ट गुजरात ने 24231 मेगावाट, तमिलनाडु ने 16257 मेगावाट को पूरा किया है। उत्तर प्रदेश के विद्युत विभाग ने इस वर्ष भी कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में कुशल प्रबंधन एवं बेहतरीन है। उत्तर प्रदेश में 28 मई, 2024 को देश में सर्वाधिक 29282

जरूरतों के अनुरूप बढ़ती विद्युत की मांग को पूरा करने में प्रदेश का ऊर्जा स्थापित कर रहा है। कहा गया है कि विगत दिनों उत्तर प्रदेश ने 29500 कीर्तिमान स्थापित किया था। वहीं ग्रिड इंडिया पॉवर सप्लाई रिपोर्ट के देश में सर्वाधिक 28889 मेगावाट विद्युत आपूर्ति कर महाराष्ट्र-गुजरात है।ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा के कुशल निर्देशन में ऊर्जा विभाग ने विद्युत मांग इस वर्ष भी नये रिकॉर्ड बना रहा है। विगत दो वर्ष पहले तक यह रिकॉर्ड पूरे के मुताबिक उत्तर प्रदेश ने 28889 मेगावाट, महाराष्ट्र ने 24254 मेगावाट, और राजस्थान ने 16781 मेगावाट की सर्वाधिक विद्युत अपूर्ति की मांग पीक आवर में पूरे देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति का रिकॉर्ड बनाया है। जो नेतृत्व की बदौलत ही यह सम्भव हो सका है, जिसकी प्रशंसा पूरे देश में हुई मेगावाट की पीक डिमांड को पूरा किया था। वहीं महाराष्ट्र में 23 मई को सर्वाधिक पीक डिमांड 27517 मेगावाट थी, जबकि उत्तर प्रदेश में 28010 मेगावाट विद्युत की पीक डिमांड थी। पिछले तीन सप्ताह के दौरान प्रदेश में विद्युत की पीक मांग पर दृष्टि डालें तो 23 मई को 28010 मेगावाट, 24 मई को 29147 मेगावाट, 25 मई को 29215 मेगावाट, 26 मई को 29084 मेगावाट, 27 मई को 29261 मेगावाट, 28 मई को 29282 मेगावाट तथा 29 मई को 29077 मेगावाट विद्युत की पीक मांग को सकुशल पूरा किया गया और प्रदेशवासियों को प्रचंड गर्मी में विद्युत संकट का सामना नहीं करना पड़ा, जहां कहीं पर भी अतिभारिता व स्थानीय दोषों के कारण आपूर्ति में व्यवधान हुआ, उसे भी शीघ्र ही ठीक करने का प्रयास किया गया। प्रदेश में बढ़ी हुई विद्युत मांग के अनुपात में ही ऊर्जा विभाग अनवरत विद्युत आपूर्ति कर रहा है। प्रदेश के ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों को मिलाकर लगभग 4634 सबस्टेशन उपभोक्ताओं तक विद्युत आपूर्ति करने का कार्य सुचारू रूप से कर रहे हैं। जहां कहीं पर भी विद्युत की मांग बढ़ी है वहां पर नये विद्युत उपकेंद्रों को स्थापित करने, ट्रांसफार्मर का लोड बढ़ाने तथा विद्युत आपूर्ति की जर्जर व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए ऊर्जा विभाग निरंतर युद्धस्तर पर कार्य कर रहा है। ऊर्जा मंत्री ने प्रदेश के सभी विद्युत कार्मिको को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि प्रचंड गर्मी में हमारे विद्युत कार्मिको ने विद्युत आपूर्ति बहाल रखने में अपना सर्वाधिक योगदान दिया है और उपभोक्ताओं को गर्मी में होने वाली परेशानियों से बचाया है। प्रदेश में अभी भीषण गर्मी और लू का संकट बना हुआ है, इसके लिए सभी विद्युत कार्मिक पूरे मनोयोग व सतर्कता से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए कार्य करते रहेंगे।

पैर फिसलते ही छत से गिरा युवक, हुई मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। जनपद श्रावस्ती के थाना सिरसिया क्षेत्र अंतर्गत जोखवा बाजार में छत से गिरकर युवक की हुई मौत का मामला सामने आया। जोखवा बाजार निवासी संतोष कुमार पुत्र हनुमान प्रसाद भीषण गर्मी के चलते बच्चों के साथ छत पर सो रहा था। देर रात लघुसंका करने के लिए जैसे ही नीचे उतर रहा था तभी सीढ़ियों से उसका पैर फिसल गया। जिससे लड़खड़ाते हुए जमीन पर गिरकर घायल हो गया। परिजनों ने गिरने

की आवाज सुनकर जब नीचे देखा तो संतोष कुमार खून से लथपथ था। जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिरसिया लाया गया जहां पर डॉक्टरों ने परीक्षण के दौरान उसे मृत्यु घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया ।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश , उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

संक्षिप्त समाचार

बिजली विभाग के लाइनमेन ने लिखाई रिपोर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

कोंच(जालौन) कोंच के बिजली विभाग मे लाइन मेन अरविंद कुमार यागिक निवासी मोहल्ला पटेल नगर कोंच ने कोतवाली मे तहरीर दी है की वह बिजली विभाग मे लाइन मेन की ड्यूटी पर था उस दोरान उपभोक्ता की विद्युत सम्बन्धी शिकायत के निस्तारण हेतु मोहल्ला पटेल नगर चन्द्र कुआ के पास पहुंचा तो वहाँ पर यासीन पुत्र सादिक वहाँ पर पहले से मौजूद था उस दोरान उसने गाली गालोच किया विरोध करने पर मार पीट करने लगा उसी दोरान मेरे साथी प्रदीप कुमार भी मौजूद थे उनको भी गाली गलौच किया इस सम्बन्ध मे कोतवाली पुलिस ने मुकदमा धारा 323 और 504 आई पी सी मे दर्ज कर लिया है

सभासद महेंद्र सिंह कुशवाहा एसडीओ से मिले दिया पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

कोंच(जालौन) नगर पालिका परिषद् कोंच के मोहल्ला गाँधी नगर वार्ड एक से निर्वाचित सभासद महेंद्र सिंह कुशवाहा कोंच के एसडीओ अनिरुद्ध कुमार मौर्य से उनके आफिस मे मिले और समस्याओ

को लेकर एक पत्र दिया इस पत्र मे अवगत कराया गया है की मेरे वार्ड एक मे सागर चौकी के सामने एक ट्रांसफार्मर रखा हुआ है जो बीते दिनों फुंक गया है व उसकी केबिल भी जल कर खराब हो गई है जिस कारण से तभी से अभी तक मोहल्ले मे सप्लाई नही आई है और सप्लाई न आने के कारण लोगो को लाइट के साथ साथ पानी की समस्या से परेशान होना पड़ रहा है सभासद महेंद्र सिंह कुशवाहा ने एसडीओ अनिरुद्ध मौर्य से जनहित मे जल्द ट्रांसफार्मर लगवाए जाने और जल्द सप्लाई दिलाये जाने की मांग की है वही एसडीओ अनिरुद्ध मौर्य ने इस समस्या को गम्भीरता से लेते हुए जल्द नया ट्रांसफ़ार्मर मंगवा दिया और देर शाम तक सप्लाई दिलाये जाने के लिये प्रयास रत है

आरोपी ने उधार लिए 25 लाख, अब देने का नाम नहीं ले रहा; जान से मारने की धमकी भी दे रहा

मैनपुरी में आरोपी ने 25 लाख रुपए उधार लिए। अब मांगने पर देने का नाम नहीं ले रहा है। उल्टे जान से मारने की धमकी भी दे रहा है। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में आरोपी 24.85 लाख रुपये उधार लेने के बाद लौटाने का नाम नहीं ले रहे हैं। रुपये वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। झूठे मुकदमे में फंसाने का षड्यंत्र रच रहे हैं। पीड़ित ने मुख्यमंत्री, पुलिस महानिदेशक, पुलिस अधीक्षक मैनपुरी को पत्र भेज कर कार्रवाई व शिकायत दर्ज कराने की मांग की है।मामला कुर्रा थाना क्षेत्र के जयसिंहपुर

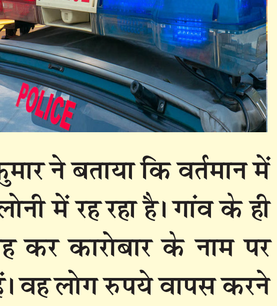

गांव की है। गांव निवासी राजेश कुमार ने बताया कि वर्तमान में वह शहर की आवास विकास कॉलोनी में रह रहा है। गांव के ही रहने वाले दो लोगों ने उसे गुमराह कर कारोबार के नाम पर 24.85 लाख रुपये उधार ले रखे हैं। वह लोग रुपये वापस करने का नाम नहीं ले रहे हैं। राजेश ने बताया कि अमानत में खयानत का एक मुकदमा कुर्रा थाने में भी दर्ज करा चुका है। इसके बाद से ही आरोपी व उनके सहयोगी उसकी हत्या करने की साजिश रचने में लगे हैं। उस पर हमला भी किया लेकिन वह किसी तरह से जान बचाकर भाग निकला। उस पर एक झूठा मुकदमा भी दर्ज कराया गया। जिसे जांच के बाद पुलिस ने समाप्त कर दिया। अब आरोपी फोन पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। एक महिला से भी फोन कराया गया। उसे झूठे मामले में फंसाने की साजिश रची जा रही है। पीड़ित ने धमकी दिए जाने के ऑडियो भी पुलिस को उपलब्ध कराए। एसपी से मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

राज्यपाल का शाहजहांपुर दौरा: पीएम मोदी को बताया विश्व का सर्वश्रेष्ठ नेता, हनुमत धाम पर किए बजरंगबली के दर्शन

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल बुधवार को सुबह करीब सवा नौ बजे शाहजहांपुर के विसरात में हनुमत धाम पहुंचीं। यहां उन्होंने वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और महापौर अर्चना वर्मा के साथ हनुमान जी के

दर्शन किए। उन्होंने हनुमत धाम के गर्भ गृह में स्थापित मूर्तियों का पूजन किया। आरती उतारने के बाद प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद राज्यपाल ने हनुमत धाम स्थित हाल में नाश्ता किया। 15 मिनट तक हनुमत धाम पर रुकने के बाद वह वृंदावन गार्डन स्थित परी पैलेस के लिए रवाना हो गईं। यहां उन्होंने सफाई नायकों को सम्मानित किया। यहां से बरतारा स्थित विनोबा आश्रम गईं। बरतारा में स्थित विनोबा सेवा आश्रम में लाइब्रेरी के लोकार्पण कार्यक्रम में आईं राज्यपाल ने कहा कि भारत विश्व गुरु बन रहा है। अमेरिका जैसे देश के राष्ट्रपति भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने दौड़कर पहुंचते हैं। यह भारत की ताकत है। अपने 25 मिनट के भाषण में राज्यपाल ने कहा कि विश्व के सभी नेताओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सर्वश्रेष्ठ हैं। यह गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न इलाकों में चलने वाले आश्रम गरीबों और बालिकाओं की शिक्षा के लिए काम कर रहे हैं। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को गांवों में होने वाले विकास कार्यों पर नजर रखनी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्र में बनने वाले पुल या स्कूल के भवन की गुणवत्ता की जांच भी करना उनकी जिम्मेदारी है। नौ लोगों को विनोबा रत्न पुरस्कार वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने महात्मा गांधी और विनोबा भावे की विचारधारा पर रोशनी डाली। कार्यक्रम में नौ लोगों को विनोबा रत्न पुरस्कार दिया गया। इससे पहले राज्यपाल ने बनतारा स्थित विनोबा सेवा आश्रम में बैंक आफ बड़ौदा शाखा का उद्घाटन भी किया।

जलेश्वर हत्याकांड में कोर्ट ने पांच आरोपियों को किया दोषमुक्त, पुलिस के खिलाफ डीजीपी को लिखा पत्र

जलेश्वर हत्याकांड में पांच आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में कोर्ट ने दोष मुक्त किया है। साथ ही कोर्ट ने पुलिस के कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए चार निरीक्षकों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए डीजीपी को पत्र लिखा है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य बैरिया जलेश्वर सिंह उर्फ बलवीर सिंह को साजिश के तहत तिराहे के पास बदमाशों द्वारा गोली मारकर नृशंस हत्या करने के मामले में मंगलवार को अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या (3) नीलम ढाका की अदालत ने साक्ष्य के अभाव में पांचों आरोपितों को बरी कर दिया। साथ ही पुलिस के नकारात्मक रवैया पर खफा होकर विभागीय कार्रवाई के लिए डीजीपी लखनऊ को पत्र प्रेषित करने का आदेश दिया है।वादी मुकदमा समेत गवाहों के विरुद्ध भी कार्रवाई के लिए आदेश दिया है। वहीं दूसरी तरफ हरि सिंह व सह अभियुक्तों के न्यायालय से दोषमुक्त होने से पहले ही वादी मुकदमा द्वारा इसकी सूचना सोमवार को ही हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट को लिखित रूप से दे दी गई थी।बैरिया थाने द्वारा दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 167/2021 में न्यायालय ने बैरिया कस्बा निवासी हरि सिंह उर्फ हरेराम सिंह, अमृतेश सिंह उर्फ सबल, राजनारायण पांडेय, सुनील गिरि व सुनील कुमार सिंह को साक्ष्य के अभाव में बरी करने का आदेश दिया है। अभियोजन के अनुसार बैरिया तिराहे पर सात जुलाई 2021 को दोपहर में घटना हुई थी। बैरिया कस्बा निवासी रितेश कुमार सिंह ने घटना के बाबत थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी कि मेरे भाई को बदमाशों ने साजिश के तहत गोली मारकर हत्या कर दी है। इसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत किया और विवेचना शुरू की। विवेचना के दौरान पांचों आरोपियों का नाम प्रकाश में आया। मंगलवार के दिन ही गैंगस्टर के मामले में जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई हुई और 20-20 हजार के दो-दो बंध पत्र व प्रतिभूति देने पर जमानत पर रिहा का आदेश भी हो गया।

महिला किसान खेती में कर रहीं तकनीक का इस्तेमाल, उड़ा रहीं ड्रोन; अन्य किसानों के लिए हैं उदाहरण

महिला किसान खेती में तकनीक का इस्तेमाल कर रही हैं। वह ड्रोन उड़ा रहीं हैं। ये महिलाएं अन्य किसानों के लिए उदाहरण बनी हुई हैं।उन्नत कृषि की ओर कदम बढ़ाते आगरा की दो महिला किसान खेती में ड्रोन का इस्तेमाल कर रही हैं। दोनों ने ड्रोन उड़ाने की ट्रेनिंग ली है। वह अपने खेत के साथ-साथ ग्रामीणों को भी इसका लाभ दे रही हैं। खंदौली ब्लॉक के गढ़ी राठौर की रेखा राठौर और छोटी बसई फतेहाबाद की सरिता शर्मा ड्रोन की प्रशिक्षित पायलट हैं। उन्हें हैदराबाद में ड्रोन को उड़ाने से लेकर उसके रख-रखाव की पूरी ट्रेनिंग प्राप्त की है।सरिता ने बताया कि वह गांव

के स्वयं सहायता समूह से तो पहले से ही जुड़ी थीं। जब ड्रोन दीदी परियोजना का पता चला तो उन्होंने भी इसके लिए आवेदन किया। बाहर से अधिकारी आए थे, उन्होंने इंटरव्यू लिया। सलेक्शन हो गया तो फिर हमें प्रशिक्षण के लिए हैदराबाद भेजा गया। रेखा के साथ ही प्रशिक्षण लेने वाली सरिता शर्मा ने बताया कि वहां पूरे देश से महिलाएं आईं थीं। अपने यूपी की भी बहुत सारी महिलाएं थीं। प्रशिक्षण के बाद इन प्रशिक्षुओं का इम्तिहान भी लिया गया। पास होने पर ही उन्हें ड्रोन का पात्र माना गया। इसके बाद एक अन्य प्रशिक्षण प्रयागराज में भी दिया गया। मार्च माह में ही दोनों को ड्रोन भी उपलब्ध करा दिए गए थे। तब से वह खेती में ड्रोन का इस्तेमाल कर रही हैं। घंटों का काम होता है मिनटों में- सरिता ने बताया कि ड्रोन से क्षेत्र की नाप-जोख (मैपिंग) की जाती है। इसके बाद निर्धारित क्षेत्र के अनुसार दवा को टैंक में भर दिया जाता है। एक एकड़ खेत में दवा का छिड़काव करने में करीब 20 मिनट लगते हैं। पहले इसी काम को करने में पूरा दिन लग जाता था। लागत हुई कम- रेखा ने बताया कि एक एकड़ खेत में दवा आदि छिड़काव के लिए करीब 400 रुपये की लेबर लगती है। ड्रोन से यह काम कम समय और कम लागत में हो जाता है। वह अपने आस-पास के किसानों को भी ड्रोन सेवाएं दे रही हैं। एक समान होता है दवा का छिड़काव- ड्रोन से दवा और नैनो यूरिया छिड़काव करने का सबसे बड़ा फायदा ये है कि इससे छिड़काव एक समान होता है। इससे लागत में भी कमी आई है। हाथ से छिड़काव करने पर कहीं अधिक तो कहीं कम दवा का छिड़काव होता है।

सपा विधायक मनोज पांडे के नाम पर चिपकाई गई काली पट्टी, सपा के मुख्य सचेतक थे

यूपी विधानसभा में सपा के मुख्य सचेतक रहे मनोज पांडेय के नाम पर काली पट्टी चिपका दी गई है। वह लोकसभा चुनाव से पहले सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे।लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल होने वाले सपा विधायक मनोज पांडेय के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है। विधानसभा में उनके नाम के ऊपर काली पट्टी चिपका दी गई है। वह सपा के मुख्य सचेतक थे।मनोज पांडेय ने राज्यसभा चुनाव के दौरान सपा से बगावत कर दी थी और भाजपा उम्मीदवार का समर्थन किया था। इसके बाद से ही उनका भाजपा मे जाना तय हो गया था। बीते दिनों उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में रायबरेली में भाजपा में शामिल हो गए थे। अब उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है।बुधवार को लखनऊ विधानसभा में लगी सपा विधानमंडल दल की नेम प्लेट में उनके नाम पर काली पट्टी लगा दी गई है। इस पट्टी पर सबसे ऊपर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का नाम है क्योंकि वह नेता प्रतिपक्ष हैं। इसके बाद इंद्रजीत सरोज का नाम है। वह सदन के उपनेता हैं। तीसरे नंबर पर मनोज पांडेय का नाम हैं। उन्हें विधानसभा में सपा का मुख्य सचेतक बनाया गया था। अब उनके नाम पर काली पट्टी लगा दी गई है। बता दें कि सपा ने बागियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के संकेत दिए थे। विधानसभा में जून के तीसरे सप्ताह से होने वाले सत्र के लिए हलचल तेज हो गई है। विधायक से सांसद चुने गए नेताओं ने इस्तीफा देना शुरू कर दिया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव करहल विधानसभा सीट से विधायक थे। उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। इसी तरह फैजाबाद लोकसभा सीट से सांसद चुने गए अवधेश प्रसाद ने भी इस्तीफा दे दिया है। जल्द ही अन्य नेता जो कि विधायक से सांसद बने हैं। वो भी इस्तीफा दे देंगे।

लखीमपुर को बड़ी सौगात: हवाई अड्डा बनने से दुधवा के पर्यटन को मिलेगी उड़ान, विकास और व्यापार भी बढ़ेगा

लखीमपुर खीरी में मुंजहा हवाई पट्टी दुधवा से करीब आठ किलोमीटर दूर है। यहां हवाई अड्डा बनने से दुधवा आने वाले सैलानियों की संख्या बढ़ेगी। व्यापारियों के लिए भी आवागमन सुगम होगा।प्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक में सबसे बड़ी सौगात लखीमपुर के पलिया क्षेत्र की मुंजहा हवाई पट्टी को मिली है। हवाई अड्डे का प्रस्ताव मंजूर कर यहां 655.30 एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर 72 सीटर विमान चलाने की योजना है। इसका बजट भी पास हो अड्डे में तब्दील करने का काम शुरू हो जाएगा।मुंजहा शुरू होने के बाद दुधवा आने वाले सैलानियों की होगा। इससे जिले के पर्यटन और विकास को पंख अगस्त 1996 में तत्कालीन राज्यपाल रोमेश भंडारी रनवे है। जिसकी चौड़ाई 40 फिट है। करीब सवा कर्मचारियों की तैनाती की गई, लेकिन आम लोगों राजनीतिक गतिविधियों या फिर वीआईपी के आने आदि बनकर पूरी तरह तैयार है। केवल एक यहां की देखरेख करता है। मंगलवार को वित्तमंत्री को अधिग्रहण करने की बात कही। सरकार ने 271 2018 में आई टीम ने रनवे को बढ़ाने की कही थी के साथ यहां आई थी। टीम ने बताया था कि नौ

गया। जल्द ही जमीन अधिगृहीत कर हवाई पट्टी को हवाई हवाई पट्टी दुधवा से करीब आठ किलोमीटर दूर है। उड़ान संख्या बढ़ेगी। व्यापारियों के लिए भी आवागमन सुगम लगेंगे। पलिया के मुंजहा स्थित हवाई पट्टी का उद्घाटन 23 ने किया था।मौजूदा समय में यहां पर 1753 मीटर का सौ करोड़ रुपये की लागत से बनी इस हवाई पट्टी पर के लिए उड़ानें शुरू नहीं हो सकी थीं। यह हवाई पट्टी केवल पर ही गुलजार रही। मौजूदा समय में यहां कमरे, भवन केयरटेकर यहां पर मौजूद है, जो साफ-सफाई से लेकर सुरेश खन्ना ने यहां के तीन गांवों की 655.30 एकड़ जमीन करोड़ 62 लाख 64 हजार 438 रुपये स्वीकृत किए हैं। बात- वर्ष 2018 में तीन पायलटों की टीम नौ सीटर विमान सीटर विमान ही इस रनवे के हिसाब से उड़ान भर सकते हैं। बड़े विमान के लिए रनवे को बढ़ाने की बात भी कही थी। 26 फरवरी 2021 को मुख्यमंत्री के सचिव सुरेंद्र सिंह यहां चार्टेड प्लेन से पहुंचे थे। बताया था कि एडवेंचर टूरिज्म व ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सभी पार्क व सेंचुरी के समीप हवाई अड्डों व हवाई पट्टियों के इस्तेमाल पर विचार किया जा रहा है। मुंजहा हवाई पट्टी दुधवा नेशनल पार्क नजदीक होने से यहां पर बेहतर आय के बारे में बात कर मुख्यमंत्री को रिपोर्ट देने की बात कही थी। करीब 60 एकड़ जमीन वन विभाग की गजरौला, मुंजहा व फुलवरिया गांव की जो 655.30 एकड़ जमीन जद में आ रही है, उनमें ज्यादातर ग्रामीणों की जमीनें हैं। प्रशासन ने सहमति पत्र पर भी इन जमीन मालिकों से हस्ताक्षर करा लिए हैं। अफसरों की मानें तो इन तीन गांवों में करीब 60 एकड़ जमीन वन विभाग की है। जिस पर ग्रामीण काबिज हैं। अब अधिग्रहण होने के बाद वह जमीन भी मुक्त होने की बात कही जा रही है। एसडीएम पलिया कार्तिकेय सिंह ने कहा कि सरकार की तरफ से 72 सीटर विमान को पलिया की हवाई पट्टी से उड़ान के लिए चुना गया है। पलिया क्षेत्र के तीन गांवों की भूमि को अधिगृहीत करने के बाद हवाई पट्टी को विस्तारित करने का कार्य प्रशासन की तरफ से किया जाएगा। पर्यटन के नक्शे पर आएगा पलिया का नाम- हवाई पट्टी का विस्तारीकरण होने से पर्यटन और यातायात के नक्शे पर पलिया का नाम आएगा और व्यापार के क्षेत्र में भी बढ़ोतरी होगी। हम काफी खुश हैं कि यहां से उड़ानें शुरू होंगी। - अमित महाजन, व्यापारी व एडवोकेट, पलिया से हवाई यात्रा जल्द ही नसीब होने की उम्मीद है। यहां के व्यापार पर इसका खासा असर पड़ेगा। बाकी पलिया क्षेत्र से बड़ी रेल लाइन की भी जरूरत है। - अनूप गुप्ता, व्यापारी, हवाई पट्टी शुरू होने के बाद होटल के व्यवसाय में भी काफी इजाफा होने की उम्मीद है। दुधवा नेशनल पार्क जैसे क्षेत्र में हवाई पट्टी का होना काफी बढ़िया रहेगा। - ज्योति अग्रवाल, होटल व्यवसायी, दुधवा में बड़ी संख्या में सैलानी आते हैं। हवाई अड्डे का संचालन शुरू होने के बाद सैलानियों की संख्या में भी इजाफा होगा। स्थानीय लोगों को भी सहूलियत मिलेगी। - बालकराम, रिसोर्ट मालिक

संक्षिप्त समाचार

कोंच के नये कोतवाल होंगे लोकेंद्र सिंह,राजीव बेस को कैलिया की बाग डोर मिली

विमलेश कुमार को एट का प्रभारी बनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

कोंच(जालौन) लोक सभा चुनाव सम्पन्न होने के उपरांत चुनाव आचार संहिता हटने के बाद जिले के तेज तर्रार पुलिस अधीक्षक डा ईराज राजा ने कानुन व्यवस्था को अच्छादित और बेहतर बनाये जाने को लेकर की थाना प्रभारियो को थाने से हटाकर इधर उधर किया है जिनमे कोंच कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक रहे अजय बृह्य तिवारी को अब उरई कोतवाली का चार्ज दिया गया है और कोंच कोतवाली के प्रभारी के रूप मे इंस्पेक्टर लोकेंद्र सिंह को कोंच भेजा है इंस्पेक्टर लोकेंद्र सिंह इससे पहले अति अति महत्व पूर्ण आटा थाना देख रहे थे वही कोंच सर्किल के थाना कैलिया मे थानाध्यक्ष के रूप मे काम देख रही नीलम सिंह को कैलिया थाने से हटाकर अब रेढर थाने मे बतोर एस ओ के पद पर तेनाती दी गई है और अब कैलिया थाने की कमान दरोगा राजीव बेस को मिली है कार्य के प्रति दरोगा राजीव बेस काफी सख्त है और काफी व्यवहार कुशल है वही कोंच सर्किल के अति महत्व पूर्ण एट थाने मे भी अब नये प्रभारी भेजे गये है अब तक एट थाने का कामकाज सब इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह देख रहे थे लेकिन अब उन्हे एट थाने से हटाये जाने का आदेश आया है और नये प्रभारी के रूप मे इंस्पेक्टर विमलेश कुमार की प्रभारी बनाया गया है इससे पूर्व इंस्पेक्टर विमलेश कुमार जालौन कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक के पद पर कार्य कर रहे थे वही सब इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह को अब आटा थाने को जुम्मेबारी दी गई है पुलिस विभाग मे हुए तबादलो को लेकर चर्चा है

कोंच कोतवाल अजय बृह्म तिवारी को स्टाफ ने दी भाव भीनी विदाई

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

कोंच(जालौन) लोक सभा शांति से सम्पन्न होने के बाद पुलिस अधीक्षक डा ईराज राजा ने जिले के कई थानो के प्रभारियो को इधर से उधर किया है जिनमे कोंच के कोतवाल अजय बृह्म तिवारी को उरई कोतवाल के पद पर तबादला किया गया। 3 महीने 7 दिन के कार्यकाल मे

कोंच नगर के अंदर इन्होने काफ़ी सराहनीय कार्य किये इसी को लेकर आज कोतवाली के स्टाफ् ने कोतवाल अजय बृह्म तिवारी की भाव भीनी विदाई दी एस एस आई उदय प्रताप सिंह ने कहा उन्होंने कोंच मे चुनाव शांति और निष्पक्षता के साथ कराये साथ ही कानून व्यवस्था भी अच्छी रखी पुलिस विभाग मे तबादला होना आम बात है वह उरई कोतवाल बनकर जा रहे है यह बहुत ही खुशी की बात है इस अवसर पर दरोगा जितेंद्र सिंह चंदेल दरोगा संदीप कुमार सिंह दरोगा रिंकू चौधरी दरोगा राम विलास यादव दरोगा राजेश यादव दरोगा ब्रज राज यादव दरोगा भीष्म पाल यादव सिपाही आलोक दुबे सिपाही जोगेंद सिंह आदि ने उनका माल्यापर्ण कर विदाई दी

एक मजदूर की लाश कूड़ा गाड़ी मे मिली

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

कोंच(जालौन) एम पी के जिला निबाड़ी के ग्राम कुँवरपुरा निबासी 38 वर्षीय रमलू अपने परिवार और अपने गांव के कई साथियों के साथ बीते काफी समय से एट थाने के ग्राम सतोह में रहकर खेत काटने की मजदूरी करते थे और परिवार और अन्य साथियों सहित गांव के बाहर टेंट लगाकर रह रह थे गाँव के पास

एक कूड़ा गाड़ी में लाश मिली लाश मिलने के बाद सनसनी फेल गई और लाश मिलने पर पुलिस भी पहुची जाँच करने के बाद लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है

This infectious disease spread in 11 states including UP-MP, patients at risk of liver-kidney failure

The intense heat and rain in some places have increased the risk of infectious diseases in the country. According to recent reports, cases of leptospirosis infection are increasing in about 11 states including Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Rajasthan these days. This infection can be fatal in humans. In view of the increasing risk of infection, the central government has issued an alert to the states and appealed to continue taking preventive measures. According to media reports, the central government has written a letter saying that people in the affected states need to take special precautions. Health teams should also be cautious while visiting these areas. The bacteria that cause leptospirosis infection can be mainly present in water or soil. All states should also ensure effective drainage arrangements so that the risks of infection through contaminated water can be reduced. What is leptospirosis infection? Leptospirosis is a type of infectious disease caused by infection with a bacteria called leptospira. You can get infected with Leptospira through scratches or cuts on the skin or through the eyes, nose or mouth. Leptospirosis is a zoonotic disease, which means that it is transmitted between animals and humans. These bacteria are found more in waterlogged places during rainy days. You can also become a victim of it by coming in direct contact with the urine or reproductive fluid of infected animals or by coming in contact with contaminated water-soil, contaminated food or water. What is Leptospirosis infection? Leptospirosis is a type of infectious disease caused by infection with bacteria called Leptospira. You can get infected with Leptospira through scratches or cuts on the skin or through the eyes, nose or mouth. Leptospirosis is a zoonotic disease, which means that it is transmitted between animals and humans. These bacteria are found more in waterlogged places during rainy days. You can also become a victim of this by coming in direct contact with the urine or reproductive fluid of infected animals or by coming in contact with contaminated water-soil, contaminated food or water. The disease can prove to be fatal- According to a report published in a newspaper, Dr. Rajiv Jayadevan of the Kerala unit of the Indian Medical Association says, 10 percent of people infected with leptospirosis die. Therefore, it is important for people who are showing symptoms of infection to consult a doctor in time and get treatment. In case the disease is not identified on time, there can be a high risk of the disease taking a serious form and becoming fatal. People with severe infection have also been seen to have a higher risk of kidney-liver infection. Pay serious attention to such symptoms- In case of leptospirosis infection, patients initially show flu-like symptoms, although in severe cases it can lead to internal bleeding and organ damage. In the initial stage of infection, problems like high fever, eye infection-redness, headache, chills, muscle pain, diarrhea and jaundice occur. In severe cases, there may be symptoms of internal bleeding such as coughing up blood (hemoptysis), chest pain, difficulty in breathing, blood in urine. People with weak immunity have been seen to be at higher risk of this infectious disease. How to stay safe from infection? People who are diagnosed with this infectious disease are given antibiotics for treatment. In case of severe leptospirosis infection, hospitalization may also be required. To avoid the risks of infection, it is most important that you avoid coming in contact with contaminated water. Also keep distance from contact with animals. Use clean water for drinking or boil water and drink it after cooling it. If you have a wound anywhere on your body, take proper care of it. The central government has said in a letter to the states that the health workers working in the affected areas should also take special care of their health.

Should one eat pomegranate in diabetes or not? Does it pose a risk of increasing blood sugar, know in detail

Diabetes is a serious health problem growing rapidly all over the world. If measures are not taken to manage it in a better way, then the condition of uncontrolled blood sugar can give rise to many types of serious diseases. Health experts say that to keep diabetes under control, it is important to pay special attention to diet along with a good routine. Whatever we eat can directly affect blood sugar. Whether pomegranate should be eaten in diabetes or not, this question remains in the mind of many people. Pomegranate is a sweet fruit in taste, so can it increase the sugar level? Should people suffering from diabetes not eat pomegranate, let's understand about this.Benefits of eating pomegranate- Pomegranate is considered a naturally nutrient-rich fruit that helps in increasing overall health, metabolism, immunity. Along with keeping the skin healthy, eating pomegranate can also be beneficial for people suffering from anemia. Some studies have shown that it is also good for people suffering from insulin resistance, that is, diabetes patients can benefit from its consumption. By including it in the daily diet, antioxidants can be obtained, which is considered beneficial in preventing many chronic diseases. So can it be consumed in diabetes? Pomegranate can reduce sugar level - The findings of a meta-analysis conducted on whether pomegranate should be eaten in diabetes or not show that pomegranate consumption can be beneficial for improving glycemic indices in adults. In a study published in Diabetes and Metabolic Syndrome: Clinical Research and Reviews, researchers reported that pomegranate consumption significantly reduced fasting sugar levels, fasting insulin and HbA1c. Scientists said, the amount of fiber and other nutrients present in pomegranate can also be beneficial for people suffering from sugar. What did the study find out? Gpd present in pomegranate such as punicalagin and ellagic are known to have anti-diabetic actions. In addition, polyphenol antioxidants have been found to be beneficial in controlling type-2 diabetes conditions. These findings suggest that pomegranate may have anti-diabetic properties. Pomegranate or its extract can be used therapeutically for the management of type 2 diabetes. However, how effective it is on all groups of people, can eating pomegranate be beneficial for all types of diabetic people? More detailed research is needed in this regard. Expert advice is necessary - Dietician Reema Singh said in a post on social media, it is not necessary that one diet fits all people in diabetes. Therefore, before consuming anything, consult a doctor. Eating pomegranate may increase the risk of increasing sugar levels in some diabetic patients, so talk to your doctor before consuming it.

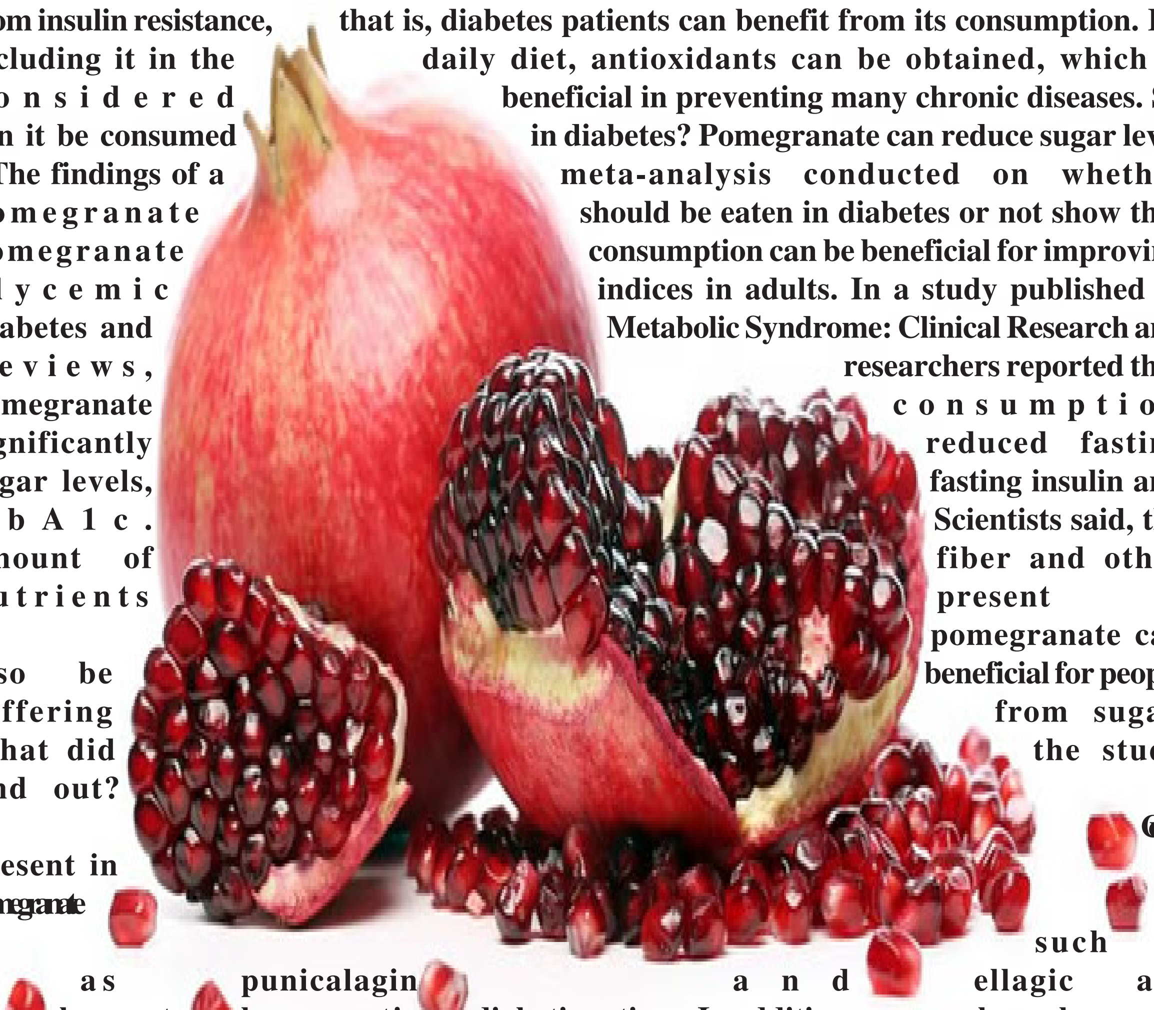

If you want to wear an Anarkali suit on Bakrid, then take a look at the looks of these actresses

The festival of Bakrid is considered to be a very important festival for the people of the Muslim community. After the sighting of the moon of Zilhijj in India, many Muslim religious leaders of India have announced to celebrate Bakrid on 17 June. Preparations for this day begin several days in advance. In this festival, goats are sacrificed, which is why it is also called Bakrid. People make many types of dishes in their homes on the day of Bakrid and also buy new clothes. Men wear kurta and pyjama on this day, but women face a big problem as to what to wear. Anarkali suit is considered to be the right choice to wear on Eid. If you are thinking of wearing an Anarkali suit on this Bakrid, then definitely take a look at the looks of these actresses. So that you look the most beautiful on the day of Eid. Hina Khan- If you want, you can wear a short Anarkali suit like Hina Khan and churidar pyjama with it. It looks very cute too. Just keep in mind while wearing it that its fitting is right. If it is loose, then your look can be spoiled. Aditi Rao Hydari- If you want to wear this type of dhoti style pyjama with a short Anarkali kurta, then take a look at Aditi Rao Hydari's look. This purple colored suit will help you to look different from others. Carry the dupatta with this suit in a different style. Madhuri Dixit- Although every look of Madhuri Dixit is beautiful, but if you want, you can take tips from her Anarkali suit look. This suit look with a slit in the front is quite different and beautiful. There is not much work on it either. In such a situation, you can carry it comfortably. Sanjeeda Sheikh- This type of flared Anarkali with churidar pyjama will add to your beauty. In such a situation, on the occasion of Bakrid, wear an Anarkali suit like Sanjeeda Sheikh and spread your glamour. If you do not like this colour, then you can choose the colour as per your choice. Kriti Sanon- If you are thinking of wearing something with heavy work, then this look of Kriti Sanon is perfect for you. With this kind of heavy Anarkali, you can make a bun in your hair. There is a lot of heavy work on this suit, so only light makeup will look good with it. Mrunal Thakur- It is summer season, so you can also carry a light coloured Anarkali with floral print. Along with this, keep your makeup also light according to the summer. Open curly hair will add to your look.

Good news for Bhaijaan's fans, Salman Khan's first painting 'Unity 1' is ready to be sold

Many Bollywood stars are experts in many things other than acting. Some are good singers as well as actors, while some are good dancers. Similarly, Salman Khan, famous as Bhaijaan in the film industry, also does painting apart from acting. He often keeps telling his fans about

this hobby of his through his social media handle. Now a big news has come for Bhaijaan's fans. The painting made by Salman Khan is ready to be sold. Let us tell you from where you can also buy this painting. Whenever Salman Khan does any work, he immerses himself in it with full dedication. Apart from films, he does painting in his spare time. Salman Khan's paintings are also as beautiful as his acting. Recently, the actor has told through his social media handle that his first painting named 'Unity 1' is ready to be sold. The actor himself has shared this information with his fans. Salman Khan shared a video and said, 'You can buy my first painting named 'Unity 1' for the next seven days. This painting is available on Artify Global. You can buy it from there'. This video of Salman Khan is going viral on social media. His fans are eager to get more and more information about this sale. A user has written, 'I am a big fan of Bhai Jaan's paintings and I will definitely be a part of the sale of his paintings'. Talking about Salman Khan's work front, Bhai Jaan is going to be seen in the film 'Sikander' in the coming days. There is already a lot of enthusiasm among the audience about this film. If sources are to be believed, Salman Khan is going to be seen in an avatar in this film, for which he is also working very hard. Whenever Salman Khan does any work, he gets immersed in it with full dedication. Apart from films, he paints in his spare time. Salman Khan's paintings are also as beautiful as his acting. Recently, the actor has told from his social media handle that his first painting named 'Unity 1' is ready to be sold. The actor himself has shared this information with his fans. Sharing a video, Salman Khan said, 'You can buy my first painting named 'Unity 1' for the next seven days. This painting is available on Artify Global. You can buy it from there'. This video of Salman Khan is becoming quite viral on social media. His fans are eager to get more and more information about this sale. A user has written, 'I am a big fan of Bhai Jaan's painting and I will definitely be a part of the sale of his paintings'. Talking about Salman Khan's work front, Bhai Jaan is going to be seen in the film 'Sikander' in the coming days. There is already a lot of enthusiasm among the audience about this film. If sources are to be believed, Salman Khan is going to be seen in an avatar in this film, for which he is also working very hard.

Kangana's big statement on work culture and weekend holidays, you will also get restless after seeing the post

Kangana Ranaut is very much in the news about her personal life apart from her professional life. Apart from this, the actress also remains in the headlines for her statements. This time actress Kangana will also be seen in Parliament. She won the election from Mandi in Himachal Pradesh. Now recently, the actress has written something about work culture, hearing which

your restlessness will also increase. Let's know what Kangana has said. Bollywood actress and BJP leader Kangana Ranaut has said that 'obsessive work culture' should be normalized and people should not be lazy towards work. Because India is not a developed country. The actress has put forth her point by sharing the video of Prime Minister Narendra Modi's address at the PMO in Delhi on her Instagram post. Kangana wrote on her story, ''We are not those people for whom office starts at this time and ends at this time. We are not those people, we are not bound by time, there is no limit to our thinking and there is no parameter for our efforts.'' Kangana further wrote, ''We need to normalize the obsessive work culture and stop waiting for the weekend and crying over Monday memes. This is all Western brainwashing... We are not a developed nation yet... We cannot be boring and lazy at all.'' Let us tell you that Kangana recently came into the limelight when CISF constable Kulwinder Kaur slapped her at Chandigarh airport while going to Parliament House in Delhi. Talking about the work front, Kangana is ready for the release of her much-awaited directorial film 'Emergency'. In this film, the actress is playing the role of former Prime Minister of India Indira Gandhi.

Juliet ka Jatt is set! Diljit's film trailer released, love, comedy, drama everything is awesome

The third part of actor Diljit Dosanjh and Neeru Bajwa's popular film 'Jatt and Juliet' is ready to release this month. Earlier today, the trailer of the film has been released. The trailer is quite funny. It has love, comedy and also tremendous drama. There is a sharp banter between the couple, which does not lead to any conclusion. There is also the Punjabi charm and pomp.

The trailer of the film was released today in a grand event in Mumbai, which keeps the audience engaged. This film will be released on 27 June 2024. Let us tell you that the first film of this series came in 2012. The second film was released in 2013. Now after almost a decade, the third installment is coming. The audience is excited and the trailer has made today's day. The romance and conflict between Diljit and Neeru in the trailer brings back memories of the last two seasons. It can be said that the film is coming after a long wait of a decade, but it is coming in a completely new style. This film has been written and directed by Jagdeep Sidhu. The visuals of this film are also amazing. Jaani's music will be seen adding another layer of thrill to its magic. Rana Ranbir and BN Sharma have also returned as Champi and his father and add a tadka of comedy. 'Jatt and Juliet 3' has been produced by White Hill Studio and Speed ??Records. This film will be released in more than 500 theaters in more than 70 countries. Let us tell you that before this, Diljit Dosanjh was very much in news for the film 'Amar Singh Chamkila'. His pairing with Parineeti in this film was a hit.